Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020 से 2022
अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक - 242 बुधवार ,06 जुलाई 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

कोई भी उत्तम कार्य बड़ी साधना के बाद ही होता है।

-ऋषि अंगिरा-

सेना भर्ती मामले में केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

अग्निपथ के तहत 20 फीसदी महिलाओं की होगी भर्ती

नई दिल्ली, 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में सेना में भर्ती होने के लिए अवसर प्रदान करने हेतु अग्निपथ भर्ती योजना की शुरुआत की गई है। रक्षा मंत्रालय ने अग्निपथ भर्ती योजना के तहत बड़ी संख्या में देश की बेटियों को भी सैनिक बन कर देश की सेवा करने का अवसर दिया है और भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भारतीय नौसेना की तरफ से आज कहा गया कि अग्निपथ के तहत 20 फीसदी भर्तियां महिलाओं की जाएगी। एक नौसेना अधिकारी ने बताया कि इन अग्निवीरों को समूद्री रक्षा बल की अलग-अलग ब्रांच में भेजा जाएगा।

नौसेना ने 1 जुलाई से ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि अब तक 10 हजार से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन किए हैं। अधिकारियों ने कहा नेवी में अग्निपथ योजना जेंडर न्यूट्रल है। अब भी हमारे यहां युद्धपोतों पर 30 महिला अधिकारी लीड करती हैं। जिन ब्रांचों में महिला अग्निवीरों को पोस्ट किया जाएगा उनमें ऑर्डनैंस, इलेक्ट्रिकल ऐंड नेवल एयर मकैनिक्स, कम्युनिकेशन ऐंड कम्युनिकेशन वारफेयर, गनरी वेपन्स ऐंड सेंसर्स शामिल हैं।

पहली बार ऐसा होने जा रहा है जब कि वॉरशिप पर तैनात करने के लिए महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी। नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि पहली बार महिला सेलर्स की भर्ती की जाएगी जो कि समुद्र में अपनी ड्यूटी देंगी। बता दें कि आर्मी ने भी 1 जुलाई को ही अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है। देशभर में भर्ती रैली की तारीफ पर फैसला हो गया है।

14 जून को अग्निपथ योजना लॉन्च की गई थी। इसके बाद देशभर में इसके विरोध में प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने भी इस योजना को राष्ट्रहित और युवाओं को विरुद्ध बताया और प्रदर्शन किए। इसके तहत अग्निवीर चार साल तक सेना में सेवा देंगे और इसके बाद 75 फीसदी सैनिक रिटायर हो जाएंगे। वहीं 25 फीसदी को स्थायी नौकरी दी जाएगी। बहुत दबाव के बावजूद सरकार ने साफ कह दिया है कि यह योजना वापस नहीं ली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका इस योजना के विरोध में दी गई है जिसपर सुनवाई के लिए कोर्ट तैयार हो गया है।

सामने आई आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद की अस्पताल वाली तस्वीर

बेटी रोहिणी आचार्य ने की पोस्ट,हालत गंभीर

पटना , 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि परिवार ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इस बीच उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने अस्पताल में भर्ती लालू की पहली तस्वीर ट्वीट कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

बता दें कि पटना में राबड़ी देवी के आवास में गिर जाने के कारण उनके कंधे की हड्डी टूट गई है। पैर व कमर में भी चोट आई है। वे किडनी की बीमारी सहित अन्य कई स्वास्थ्य समस्याओं से भी ग्रस्त हैं। इस बीच बीती सुबह अचानक तबीयत खराब हो जाने के कारण उन्हें पटना के एक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब अस्पताल में इलाज के दौरान की उनकी पहली तस्वीर समाने आई है, जिसमें वे गंभीर स्थिति में नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने ट्वीट किया है।

राहुल गांधी फेक न्यूज केस में जी न्यूज का एंकर रोहित रंजन गिरफ्तार

एंकर को पकने पहुंची छत्तीसग पुलिस से गाजियाबाद पुलिस की खींचतानी के बीच नोएडा पुलिस पकड़ ले गई

नई दिल्ली/ गाजियाबाद / रायपुर,05 जुलाई 2022। राहुल गांधी के खिलाफ फेक न्यूज चलाने के आरोपी जी-न्यूज के एंकर रोहित रंजन की मंगलवार सुबह नाटकीय ढंग में गिरफ्तारी हो गई। तड़के 5.30 रोहित के इंदिरापुरम स्थित घर के बाहर छत्तीसगढ़ पुलिस पहुंच गई। दरवाजे पर पुलिस देख रोहित ने ट्वीट कर यूपी पुलिस से मदद मांगी।

इस बीच गाजियाबाद के इंदिरापुरम की पुलिस भी रोहित के घर पहुंच गई। वहां रोहित की गिरफ्तारी को लेकर रायपुर और इंदिरापुरम पुलिस के बीच खींचतान चल ही रही थी कि नोएडा पुलिस पहुंची। नोएडा पुलिस ने कहा कि उनके यहां रोहित के खिलाफ केस दर्ज है, और वह रायपुर पुलिस के सामने रोहित को गिरफ्तार कर ले गई।

बता दें कि दो दिन पहले नोएडा में टीवी चैनल के बाहर प्रदर्शन करने और पुतला फूंकने के आरोप में 19 कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी भी हुई थी। रोहित रंजन पर राजस्थान में भी इस बयान को लेकर मुकदमे दर्ज हुए हैं।

एसीबी पर टिप्पणी के बाद ट्रांसफर की मिली धमकी

जज बोले-'मैं किसान का बेटा...किसी से नहीं डरता...

बेंगलुरु 05 जुलाई 2022। कर्नाटक उच्च न्यायालय के जज एचपी संदेश ने सोमवार को कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के खिलाफ उनकी टिप्पणी के बाद उन्हें तबादले की धमकी दी गई थी। जज ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को लेकर टिप्पणी की थी ये 'कलेक्शन सेंटर' बन गया है।

जस्टिस ने कहा कि वह इस तरह की धमकियों से नहीं डरते। जस्टिस संदेश ने पिछले सप्ताह एसीबी और उसके कामकाज के खिलाफ बेंगलुरु शहर के उपायुक्त के कार्यालय में एक उप-तहसीलदार पी एस महेश की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए टिप्पणी की थी।

गले में घंटी बांधने को तैयार

जज ने आगे कहा कि वह धमकियों से नहीं डरते। 'मैं किसी से नहीं डरता। मैं बिल्ली को घंटी बांधने के लिए तैयार हूं। जज बनने के बाद मैंने संपत्ति जमा नहीं की है। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता अगर मैं पद खो देता हूं, मैं एक किसान का बेटा हूं, मैं खेती करने के लिए तैयार हूं, मैं किसी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं हूं, मैं किसी भी राजनीतिक विचारधारा का पालन भी नहीं करता हूं।'

वरिष्ठों को बचाने का आरोप

बेंगलुरु शहर के उपायुक्त के कार्यालय के दो कर्मचारियों को भूमि विवाद में आदेश के बदले 5 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने इस बात पर आपत्ति जताई थी कि कैसे वरिष्ठ अधिकारियों को बचाया जा रहा है और केवल कनिष्ठ कर्मचारियों पर मुकदमा चलाया जा रहा है.

इसी मामले में एसीबी ने सोमवार को आईएएस अधिकारी और बेंगलुरु शहर के पूर्व उपायुक्त मंजूनाथ जे को गिरफ्तार किया है।

कलेक्शन सेंटर बन गया है एसीबी

न्यायमूर्ति संदेश ने कहा था कि एसीबी एक ÷कलेक्शन सेंटर÷ बन गया है और एसीबी के एडीजीपी एक दागी अधिकारी हैं। कोर्ट ने 29 जून को एसीबी को 2016 से उन सभी मामलों का ब्योरा पेश करने का आदेश दिया था जिनमें एसीबी ने 'क्ल' रिपोर्ट दाखिल की थी.।

चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के 44 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली 05 जुलाई 2022। भारत-चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर उपजे विवाद के बाद केंद्र सरकार की ओर पड़ोसी देश चीन के साथ व्यापारिक संबंध पर प्रतिबन्ध लगाए गए हैं। केंद्र सरकार ने चीन में बने सभी प्रकार के वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ इस पर काम करना भी शुरू कर चुके है।

लेकिन देश में चीनी कंपनी के मोबाइल का अवैध कारोबार अब भी जारी है। इन लोगों पर ईडी ने कार्यवाही शुरू कर दी। चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के खिलाफ आज ईडी की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। ईडी की टीम ने देशभर में वीवो के 44 ठिकानों पर छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश समेत दक्षिण भारत के कई राज्यों में ईडी की ओर से यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी जारी है और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इस मामले में सीबीआई भी जांच कर रही है।

टीना डाबी ने पति संग ली मिरर सेल्फी,गोवा बीच में हुई रोमांटिक

पणजी 05 जुलाई 2022। आईएएस टीना डाबी, पति प्रदीप गवांडे के साथ गोवा में छुट्टियां मना रही हैं. टीना डाबी, अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लगातार ट्रिप की फोटोज शेयर कर रही हैं. बता दें कि टीना डाबी देश की सबसे फेमस अफसरों में एक मानी जाती हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 15 लाख लोग फॉलो करते हैं

आईएएस कपल ने गोवा में समुंद्र किनारे और लग्जरी होटल्स में जमकर मस्ती की. टीना डाबी पति संग ट्रिप एन्जॉय करती दिख रही हैं. आईएएस कपल की फोटोज देखकर लोग उन्हें बेस्ट कपल बता रहे हैं. 22 अप्रैल 2022 को कपल ने शादी की थी. आईएएस टीना डाबी और ।आईएएस प्रदीप गवांडे ने हाल ही में शादी की थी. आईएएस कपल की शादी काफी चर्चा में रही थी. टीना से प्रदीप 13 साल बड़े हैं, इसलिए दोनों के रिश्ते को लेकर कई लोग सवाल उठा रहे थे. लेकिन अब शादी के बाद वे दोनों इस रिश्ते को पूरी तरह से एन्जॉय करते दिख रहे हैं. टीना ने गोवा ट्रिप के 10 फोटोज शेयर करते हुए लिखा है- (लहरों के साथ हम एक हो रहे हैं). टीना डाबी के पोस्ट को करीब 2 लाख लोगों ने लाइक किया है. पोस्ट पर कमेंट कर टीना और प्रदीप को बेस्ट कपल बता रहे हैं. एक यूजर ने लिखा- दुनिया का बेस्ट कपल. दूसरे यूजर ने लिखा- लवली कपल, स्टे ब्लेस्ड, स्टे टुगेदर. वहीं, इस पोस्ट पर टीना डाबी को लोग जैसलमेर के कलेक्टर बनाए जाने की बधाई भी देते दिखे. बता दें कि सरकार ने टीना डाबी और प्रदीप गवांडे का ट्रांसफर कर दिया है. आईएएस टीना को सरकार की तरफ से बड़ी जिम्मेदारी दी गई है. उन्हें जैसलमेर जिले का कलेक्टर बनाया गया है. वहीं,आईएएस प्रदीप को खनिज निगम का एमडी बना दिया गया है. प्रदीप इससे पहले राजस्थान पुरातत्व विभाग के डायरेक्टर थे. जबकि टीना डाबी राजस्थान सरकार में संयुक्त सचिव वित्त (कर) के पद पर तैनात थीं.

जुमे की नमाज के बाद उपद्रव के मास्टर माइंड का बिल्डर फाइनेंसर हाजी वसी गिरफ्तार

लखनऊ 05 जुलाई 2022। कानपुर परेड नई सड़क पर हुए उपद्रव में मुख्य आरोपित हयात जफर हाशमी के सहयोगी बिल्डर हाजी वसी को क्राइम ब्रांच की टीम ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। उसे कानपुर लाने के बाद पूछताछ की जा रही है।

बता दें कि राष्टपति रामनाथ कोविन्द तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी के बाद भी कानपुर में तीन जून को उपद्रव के मास्टर माइंड हयात जफर हाशमी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके सहयोगियों पर शिकंजा कसा और मंगलवार को पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कानपुर में तीन जून को जुमे की नमाज के बाद नई सड़क पर उपद्रव के मास्टर माइंड हयात के फाइनेंसर हाजी वसी को क्राइम ब्रांच ने लखनऊ से गिरफ्तार किया है। हाजी वसी बड़ा बिल्डर है और हयात की गतिविधियों में धन लगाता है।

लापरवाही ऐसी कि मृत व्यक्ति जीत गया सरपंच का चुनाव

भोपाल 05 जुलाई 2022। देश में विभिन्न पदों के लिए कई तरह के चुनाव होते रहते है। जिसमें किसी जीवित व्यक्ति को ही प्रत्याशी घोषित कर चुनाव लड़ाया जाता है। अभी तक आपने जीवित व्यक्ति को ही चुनाव जीतते देखे या सुने होंगे। लेकिन मध्य प्रदेश के सागर जिले के कजेरा गांव में एक मृत व्यक्ति के जीतने जीत जाने के मामले ने चुनाव संपन्न कराने वाले अधिकारीयों, कर्मचारियों सहित ग्रामीणों को भी चौंका दिया है।

मध्य प्रदेश के सागर जिले के कजेरा गांव में उस समय हड़कंप मच गया। जब एक मृत शख्स सरपंची का चुनाव जीत गया। इसके बाद अधिकारी और ग्रामीण असमंजस में पड़ गए। दरअसल, जिले की देवरी तहसील के कजेरा गांव में सरपंच पद के उम्मीदवारों में से एक रविंद्र ठाकुर का 22 जून को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। इस बीच परिजन अधिकारियों को समय पर सूचना न दे पाए। जिसके कारण एक जुलाई को मतदान के लिए मतपत्र में उसका नाम बना रहा। तय समय पर वोटिंग हुई और मतगणना में रविंद्र ठाकुर विजेता रहे। लेकिन जैसे ही यह बात बाहर फैली तो वहां हड़कंप मच गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि गांव में 1,296 पात्र मतदाता हैं जिनमें से 1,043 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। रविंद्र ठाकुर को 512 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी चंद्रभान अहिरवार को 257 और विनोद सिंह को 153 वोट मिले जिससे रविंद्र 255 वोटों के अंतर से विजेता रहा।

सागर के जिलाधिकारी और जिला चुनाव अधिकारी दीपक आर्य ने बताया कि अगर हमें चुनाव से 72 घंटे पहले किसी उम्मीदवार की मौत की सूचना दी जाती है। तो हम नए मतपत्र छापते हैं लेकिन इस मामले में मतदान दल के रवाना होने के बाद हमें सूचित किया गया। वही इस मामले को सुलझाने के लिए राज्य चुनाव आयोग से राय मांगी गई है। 14 जुलाई को चुनाव के आधिकारिक घोषणा से पहले इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांडः

शूटर्स ने पुलिस की पूछताछ में लड़कियों का किया जिक्र

नई दिल्ली 05 जुलाई 2022। आईएएस टीना डाबी, पति प्रदीप गवांडे के साथ गोवा में छुट्टियां मना रही हैं. टीना डाबी, अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर लगातार ट्रिप की फोटोज शेयर कर रही हैं. बता दें कि टीना डाबी देश की सबसे फेमस अफसरों में एक मानी जाती हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 15 लाख लोग फॉलो करते हैं आईएएस कपल ने गोवा में समुंद्र किनारे और लग्जरी होटल्स में जमकर मस्ती की. टीना डाबी पति संग ट्रिप एन्जॉय करती दिख रही हैं. आईएएस कपल की फोटोज देखकर लोग उन्हें बेस्ट कपल बता रहे हैं. 22 अप्रैल 2022 को कपल ने शादी की थी. आईएएस टीना डाबी और ।आईएएस प्रदीप गवांडे ने हाल ही में शादी की थी. आईएएस कपल की शादी

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के शूटर्स ने दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है. आरोपियों ने बताया कि सिद्धू के मर्डर के लिए पहले लड़कियों का इस्तेमाल करने की भी प्लानिंग की गई थी. एक लड़की को पुलिसवाली बनाकर तो दूसरी लड़की को प्रेस रिपोर्टर बनाकर सिद्धू के घर भेजा जाना था. पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार शूटर्स के पास से पंजाब पुलिस की वर्दी भी बरामद हुई है.।

कांग्रेसी विधायक के 5 ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी

बेंगलुरु 05 जुलाई 2022। कर्नाटक में कांग्रेसी विधायक जमीर अहमद खान के 5 ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा छापेमारी की गई है। एसीबी द्वारा पूर्व मंत्री और विधायक अहमद खान के आवास उनके गेस्ट हाउस उनके कार्यालय में छापेमारी की गई है।

बता दे पिछले वर्ष भी अहमद खान के साथ एक अन्य मंत्री के आवासों पर ईडी द्वारा छापेमारी की गई थी। यह छापेमारी 4000 करोड रुपए की आईएमए पूंजी योजना से कथित संबंध को लेकर की गई थी। ऐसा बताया जाता है कि इस योजना के जरिए हजारों मुस्लिम ठगे गए थे। जिसके कारण खान को कई बार ईडी के सामने पेश होना पड़ा है।

ज्ञात हो की अहमद खान पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमार स्वामी के शासनकाल में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रहे थे। इसके अलावा वे चार बार अपने क्षेत्र से विधायक भी चुने गए हैं

चंद्रशेखर गुरुजी की चाकुओं से गोदकर हत्या,सीसीटीवी में हुआ रिकॉर्ड, मचा कोहराम

हुबली 05 जुलाई 2022। हुबली में एक होटल में मंगलवार सुबह सरल वास्तु फेम चंद्रशेखर गुरुजी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई. इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. इसमें साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि होटल के रिसेप्शन पर दो लोग उन्हें चाकू मार रहे हैं. वहीं पुलिस को आशंका है कि चंद्रशेखर गुरुजी कर्नाटक के शहर के पेसिडेंट होटल में कारोबार के सिलसिले में किसी से मिलने आए थे. इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए. पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है. पुलिस के मुताबिक बागलकोट के रहने वाले वास्तु विशेषज्ञ ने एक ठेकेदार के रूप में अपना करियर शुरू किया था. हालांकि बाद में उन्हें मुंबई में एक नौकरी मिल गई,।

मां की कोख से बाहर आया 2 फीट लंबा 5 किलो का बच्चा

नई दिल्ली 05 जुलाई 2022। किसी भी महिला के जीवन में बच्चे को जन्म देना एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षण होता है. 9 महीने तक बच्चे को गर्भ में रखने के बाद हर मां की तरह ये मां भी बच्चे को जन्म देने के बाद देखने के लालायत थी, लेकिन जब बच्चा मां की कोख से इस दुनिया में कदम रखा तो हर किसी को हैरान कर दिया

दरअसल, ब्रिटेन के बकिंघमशायर की रहने वाली 27 साल की एमी स्मित ने सी-सेक्शन के जरिए बच्चे को जन्म दिया, जो सामान्य बच्चों से बिल्कुल अलग है. इसकी लंबाई 2 फीट थी, जबकि वजन 5 किलो से ज्यादा है. आमतौर पर एक स्वस्थ बच्चे का वजन जन्म के समय 3.5 किलो से लेकर 4 किलो तक होता है, लेकिन एमी के बच्चे का वजन गर्भ में ही 5 किलो से ज्यादा था.

पैदा होते ही कद 2 फीट था

चेडिंगटन, बकिंघमशायर की 27 वर्षीय एमी स्मिट और उनके 28 वर्षीय साथी जैक को स्कैन के माध्यम से पता चला कि उनका बेटा सामान्य बच्चों की तुलना में स्वस्थ और लंबा पैदा होने वाला है. यही वजह है कि 25 मार्च को ऑपरेशन के जरिए उन्हें इस दुनिया में लाने का फैसला किया गया. रिपोर्ट के मुताबिक एमी और उनके पार्टनर की लंबाई करीब 6 फीट है, ऐसे में बच्चे की लंबाई कोई बड़ी बात नहीं थी, लेकिन 2 फीट की लंबाई की किसी ने कल्पना भी नहीं की थी. बच्चे को गर्भ से बाहर निकालने में 2 लोगों को लगा, फिर उसे खींचा जा सका.

बच्चों के कपड़े भी फिट नहीं थे

आमतौर पर माता-पिता बच्चों के जन्म से पहले उनके लिए कपड़े खरीदते हैं. बच्चे के जन्म के बाद जब मां चाहती थी कि वह 3 महीने के बच्चे के कपड़े पहने, तो वह फिट नहीं हुई. आखिरकार बच्चे के लिए 6-9 महीने के कपड़े ले लिए गए.।

संपादकीय

अब दोष बताना जुर्म है!

निष्कर्ष यह है कि अब सरकार की छवि पर असर डालने वाले किसी प्रकार की घटना को उठाना अपराध समझा जाने लगा है। विचारणीय प्रश्न है कि भारत आखिर कैसा समाज बनता जा रहा है

इस घटना पर ध्यान दीजिए। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में समाजवादी पार्टी के विधायक डॉक्टर आरके वर्मा अपने क्षेत्र रानीगंज में बन रहे सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण करने पहुंचे, तो उन्हें शिकायत मिली थी कि निर्माण कार्य में खराब गुणवत्ता वाली चीजों का उपयोग हो रहा है। विधायक ने देखा तो यह शिकायत सही निकली। नवनिर्मित दीवार को जब उन्होंने छूकर देखा, तो वो हिलने लगी और थोड़ा धक्का दिया तो भरभराकर गिर गई। विधायक का यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने लगा। कुछ ही देर बाद इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण करा रही कंपनी की ओर से विधायक आरके वर्मा और उनके भाई समेत छह लोगों के खिलाफ कंधई थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई। अब वर्मा इस घटना में मुख्य अभियुक्त हैं। और ऐसा होने का यह पहला मामला नहीं है। वैसे ही तो इस तरह की मिसालें सारे देश में बढ़ती जा रही हैं, लेकिन अगर उत्तर प्रदेश पर ही ध्यान केंद्रित करें, तो ऐसे कई मौके आए हैं जब भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले ही कठघरे में खड़े कर दिए गए हैं। इसी साल अप्रैल में बोर्ड परीक्षा के पेपर लीक होने संबंधी खबर छापने के मामले में तीन पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था।

रेत माफिया और खनन माफिया के खिलाफ खबर लिखने वाले कई पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आए दिन धमकियां मिलती रहती हैं। उनके खिलाफ न सिर्फ माफिया की ओर से केस दर्ज कराने, बल्कि कई बार सरकारी अफसरों की ओर से भी केस दर्ज किए जाने के मामले सामने आए हैं। कमेटी अगेंस्ट असॉल्ट ऑन जर्नलिस्ट्स नाम की संस्था एक रिपोर्ट के मुताबिक 2017 में राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद पांच साल के दौरान राज्य भर में 48 पत्रकारों पर शारीरिक हमले हुए, 66 के खिलाफ केस दर्ज हुए, और उनकी गिरफ्तारी हुई। कोविड महामारी के दौरान भी कई पत्रकारों के खिलाफ केस दर्ज किए गए। तो निष्कर्ष यह है कि अब भ्रष्टाचार, अत्याचार और सरकार की छवि पर असर डालने वाले किसी प्रकार की घटना को उठाना अपराध समझा जाने लगा है। ऐसे में विचारणीय प्रश्न यह हो जाता है कि भारत आखिर कैसा समाज बनता जा रहा है

तेरी आंखों में

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

कहां हो निगाहें करम ढूंढते हैं।
तुम्हें रात दिन हर कदम ढूंढते हैं।
अभी तो दिखाई दिये मेरे ज़ानिब,
निगाहों का अपने भरम ढूंढते हैं।
तेरे दिल में उतरे यूं सांसों के साथ,
मिलेगा सुकूं जो सनम ढूंढते है।
नहीं अब बसर है बस रहगुजर,
मिले दर से जो वो रहम ढूंढते हैं।
आराईश किया रुह का इस तरह,
तेरी आंखों में खुद को हम ढूंढते।

पी से अनुराग होने लगा

प्रियंका
अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

पी से अनुराग होने लगा
धड़कन में राग होने लगा
बिन सावन बिन चैत सखी
जीवन में फाग होने लगा
ओ मेघदूत तू कल आना
पी का सन्देस दे जाना
ये रात विरह की कटे नहीं
क्यों वीतराग होने लगा
पी से अनुराग होने लगा
कजरा आंज लिया नैनन
होंठ बसे सब ही बैनन
बात कही न जाये मोसे
निसदिन लाग होने लगा
पी से अनुराग होने लगा
मन मयूर नित नृत्य करे
प्रतिक्षण नवीन कृत्य करे
कुछ मैं जानूं कुछ ना जानूं
हाँ! बस बड़भाग होने लगा
पी से अनुराग होने लगा

तुम्ही तो हो

ओमप्रकाश बिन्जवे
राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

सनम तुम हो तो मै हूँ,
तुम से है वजूद मेरा।
तुम हो भोर की किरण,
तुम्ही हो रोशन सबेरा।
तुम्ही हो सरमाया ए हयात,
जीवन की पतवार तुम।
तुम्ही से जुडी सारी आशाये,
मेरे प्यार का आधार तुम।
तुम दिल की हो धडकन
मिले थे अजनबी बन के,
वो रिश्ते गहरे हो गए।
दिल की जमीं पे फूल खिले,
ख्वाब सुनहरे हो गये।
मेरे ख्वाबों का दरपन
न दायरे न बन्दिशे रहे,
हम तुम बस एक हो जाए।
के भुला दे अहले जहाँ को,
हम एक दूजे में खो जाए।
तुम्ही साँस तुम्ही जीवन

अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों की शिक्षा और सोच पर डाल रही हानिकारक प्रभाव

-सत्यवान सौरभ-
भिवानी, हरियाणा

सरकार बच्चों के लिए ऑनलाइन गेमिंग घंटे को विनियमित कर सकती है। उदाहरण के लिए, हाल ही में, चीन ने 18 साल से कम उम्र के गेमर्स को प्रति सप्ताह केवल तीन घंटे ऑनलाइन गेम तक सीमित कर दिया।

हाल ही में सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने और उसकी देखरेख के लिए एक मंत्रालय की पहचान करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की है। बदलते तकनीकी दौर में आज अधिक से अधिक राज्य ऑनलाइन गेमिंग क्षेत्र में कुछ आदेश लाने के लिए कानून ला रहे हैं। हाल ही में, राजस्थान सरकार ने ऑनलाइन गेम, विशेष रूप से फंतासी खेलों को विनियमित करने के लिए एक मसौदा विधेयक लाया। इससे पहले, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों ने भी ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पारित किए थे। हालांकि, उन्हें राज्य उच्च न्यायालयों द्वारा इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि कौशल के खेल के लिए एकमुश्त प्रतिबंध अनुचित था।

फैंटेसी स्पोर्ट्स ऑनलाइन गेम के सभी रूपों से पूरी तरह से अलग हैं जो ई-स्पोर्ट्स, कैजुअल गेमिंग आदि की प्रकृति में हैं, जिन्हें प्रतिभागी के लिए परिणाम तय करने के लिए वास्तविक खेल मैच खेलने के लिए वास्तविक जीवन के खिलाड़ी की आवश्यकता नहीं होती है। अन्य ऑनलाइन गेमिंग के विपरीत, काल्पनिक खेल, वास्तविकताओं पर निर्भर है, मौसमी और वास्तविक समय के खेल मैचों की उपलब्धता इसे खेल का एक गैर-नशे की लत रूप बनाती है जो इसे ऑनलाइन गेम के अन्य रूपों से अलग रूप से अलग करती है जिन्हें प्रकृति में जुआ और/या सट्टेबाजी का खेल माना जाता है।

अत्यधिक गेमिंग के परिणाम बच्चों की शिक्षा और भलाई पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं। इसकी लत के लक्षणों में से एक जीवन के अन्य क्षेत्रों पर प्रभाव है। यदि स्कूल का काम पीड़ित है - पाठों में ऊब, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई या होमवर्क पूरा करने के लिए कम प्रेरणा सहित - तो उनकी गेमिंग आदतों का आकलन किया जाना चाहिए। हिंसक, ग्राफिक या यौन सामग्री का एक्सपोजर बच्चों के लिए बेहद खतरनाक है; माता-पिता की बढ़ती संख्या उनके द्वारा खेले जाने वाले खेलों की सामग्री के बारे में चिंतित है।

उदाहरण के लिए, फोर्टनिटे को 12+ का दर्जा दिया गया है - फिर भी कई प्राथमिक स्कूल-आयु के बच्चे खेलते हैं। हिंसक, कामुक या अत्यधिक यथार्थवादी सामग्री वाले खेल का भी बच्चों, विशेषकर छोटे बच्चों पर भावनात्मक प्रभाव पड़ सकता है। यह परस्पर विरोधी शोध वाला एक विवादास्पद क्षेत्र है लेकिन साइंस डेली के एक अध्ययन ने हिंसक वीडियो गेम को युवा लोगों में आक्रामकता से जोड़ा है। यदि गेमिंग वास्तविक जीवन में दोस्तों के साथ संबंध की कीमत पर है, तो यह वापसी रोजमर्रा की स्थितियों में संबंध कौशल को प्रभावित कर सकती है।

लंबे समय तक खेल खेलने वाले बच्चे और युवा आरएसआई से प्रभावित हो सकते हैं। अकड़न, दर्द, दर्द और सुन्न ऐसे संकेत हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए। उदाहरण के लिए, %निम्न टेंडिनाइटिस% गेमिंग कंसोल पर खेलने से जुड़ी अंगूठे, कलाई और हाथ की समस्याओं को संदर्भित करता है। यदि आप बिना ब्रेक लिए लंबे समय तक स्क्रीन पर देखते हैं तो आंखों में खिंचाव भी आम है। स्क्रीन की चकाचौंध दृष्टि को भी प्रभावित कर सकती है। खराब पोषण या आत्म-देखभाल की समस्या भी ऑनलाइन गेम्स के साथ घरों में दस्तक दे रही है; जब गेमिंग की लत हावी हो जाती है, तो बच्चे और युवा भोजन छोड़ सकते हैं, जंक फूड पर निर्भर हो सकते हैं, टॉयलेट ब्रेक लेने का विरोध कर सकते हैं या खराब स्वच्छता रख सकते हैं। एक समय में कई घंटों तक उत्तेजक खेल खेलना, विशेष रूप से देर रात में, सोने के लिए कठिन हो जाएगा।

बहुत से लोग ऑनलाइन गेमिंग की लत विकसित कर रहे हैं। यह जीवन और विनाशकारी परिवारों को नष्ट कर रहा है। बच्चों द्वारा बाध्यकारी गेमिंग स्कूलों में उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है और उनके सामाजिक जीवन और परिवार के सदस्यों के साथ संबंधों को प्रभावित कर रहा है। स्वास्थ्य पर गेमिंग व्यसनों से शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक क्षति होती है, नींद खराब होती है, भूख, करियर और सामाजिक जीवन प्रभावित होता है। व्यसन अनिद्रा का कारण भी बन सकता है, निकट दृष्टि दोष का कारण बन सकता है, सामाजिक संपर्कों से वापसी, शैक्षणिक विफलता और अत्यधिक क्रोध और चिड़चिड़ापन का कारण बन सकता है।

ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने के लिए सबसे पहले, केंद्र सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69 ए के तहत साइटों को ब्लॉक करने के लिए कदम उठा सकता है। अवैध सेवाओं को प्रत्यक्ष या सरोगेट माध्यम से ऑनलाइन विज्ञापन या प्रसारित होने से रोकने के लिए कड़े उपायों की भी आवश्यकता है। दूसरा, केंद्रीय स्तर पर एक गेमिंग अथॉरिटी बनाई जाए। इसे ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के लिए जिम्मेदार बनाया जा सकता है, इसके संचालन की निगरानी, सामाजिक मुद्दों को रोकना, कौशल या मौके के खेल को उपयुक्त रूप से वर्गीकृत करना, उपभोक्ता संरक्षण की देखरेख करना और वैधता और अपराध का मुकाबला करना। तीसरा, चूंकि अवैध वेबसाइटों को ब्लॉक करना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में है, इसलिए राज्य डिजिटल पायरेसी से निपटने के लिए महाराष्ट्र पुलिस के मॉडल का पालन कर सकते हैं।

चौथा, उपभोक्ता हित समूहों को जुआ विरोधी प्रयासों में लाया जाना चाहिए, जागरूकता फैलाने और अवैध प्लेटफार्मों की रिपोर्ट करने के लिए मंच प्रदान करने के लिए। पांचवां, केंद्र को कौशल के ऑनलाइन खेलने के लिए एक व्यापक नियामक ढांचा तैयार करना चाहिए। वैश्विक गेमिंग उद्योग के साथ बने रहने के लिए भारत को कौशल-बनाम-मौका की बहस से आगे बढ़ना चाहिए। छठा, भारत उन्नत क्षेत्राधिकारों की तरह व्यावहारिक दृष्टिकोण अपना सकता है। यूके कौशल खेलों को लाइसेंसिंग आवश्यकताओं से छूट देता है जो मौके के खेल पर लागू होते हैं।

अंत में, सरकार बच्चों के लिए ऑनलाइन गेमिंग घंटे को विनियमित कर सकती है। उदाहरण के लिए, हाल ही में, चीन ने 18 साल से कम उम्र के गेमर्स को प्रति सप्ताह केवल तीन घंटे ऑनलाइन गेम तक सीमित कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म केवाईसी मानदंडों को मजबूत कर सकते हैं, एक आयु-रेटिंग तंत्र को लागू करें जिसमें नाबालिगों को अपने माता-पिता की सहमति से ही आगे बढ़ने की अनुमति दी जाए, आधार पर ओटीपी सत्यापन इसे हल कर सकता है, कोई इन-गेम खरीदारी वयस्क सहमति के बिना अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और जहां भी संभव हो, इन-गेम चैट विकल्प अक्षम किया जाना चाहिए। गेमिंग कंपनियों को संभावित जोखिमों के बारे में उपयोगकर्ताओं को सक्रिय रूप से शिक्षित करना चाहिए और धोखाधड़ी और दुर्व्यवहार की संभावित स्थितियों की पहचान कैसे करनी चाहिए। प्रतिभागियों की गुमनामी को हटाया जाना चाहिए और एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र का निर्माण किया जाना चाहिए, उद्योग के लिए स्व-नियमन के विभिन्न रूपों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

अधिक से अधिक युवा ऑनलाइन गेम से जुड़ रहे हैं। इसके आलोक में, भारत में ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को विनियमित करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, ऑनलाइन गेमिंग के नियमों से न केवल आर्थिक अवसर खुलेंगे बल्कि इसकी सामाजिक लागत भी कम होगी।

महंगाई उच्चतम सीमा पर

आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों को रोकने नए प्रभावी नियंत्रक कानून की आवश्यकता

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़,

भारत में पिछले दो वर्षों में महंगाई चरम पर पहुंच गई हैद्य भारत की जनसंख्या के मद्देनजर लगभग 135 करोड़ लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं के दाम पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं। आपको यह बता दें कि आवश्यक वस्तुओं में चावल, दाल, गेहूं, केरोसिन, गैस, पेट्रोल, डीजल और अन्य रोजमर्रा की चीजें समाहित है ।आवश्यक वस्तुओं के मूल्य केरोसिन,गैस और पेट्रोल ,डीजल को छोड़कर अन्य चीजों कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कोई भी अत्यंत प्रभावी नियंत्रक कानून प्रचलन में नहीं है और जो वर्तमान में प्रचलित धाराएं हैं वह बढ़ती कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पर्याप्त ना होकर काफी लचीली है। आवश्यक वस्तु अधिनियम को भी परिमार्जित करने की आवश्यकता प्रतीत होती है। यदि वर्तमान जैसा परिदृश्य लगातार चलता रहा तो महंगाई बेलगाम हो जाएगी और तमाम आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर होकर अनियंत्रित हो जाएगीद्य इसी लिए केंद्र को चाहिए इस संदर्भ में विचार मनन कर अत्यंत ही समीचीन कानूनों में परिवर्तन कर महंगाई और बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण लाने का प्रयास करें द्य पिछले दो-तीन वर्षों में भारत में आवश्यक वस्तुओं से लेकर पेट्रोल, डीजल तथा अन्य सामग्रियों में कीमतें लगभग डेढ़ गुना हो गई है। भारत में महंगाई का स्तर अभूतपूर्व तरीके से अचानक उच्चतम सीमा से ऊपर हो गया है। मध्यम वर्ग तथा गरीब तबके का व्यक्ति इस महंगाई की आग में सबसे ज्यादा झुलस रहा है। आमदनी उतनी की उतनी ही है और महंगाई चरम सीमा पर है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हिंदुस्तान में ही महंगाई का परचम भयानक तौर पर लहरा रहा है। पेट्रोल ,डीजल, गैस के दाम तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड आयल के दाम बढ़ने से बढ़ते हैं, फिर अलग अलग राज्य सरकारें उस पर कर लगाकर दाम बढ़ाने का काम करती है पर मूल रूप से वैश्विक स्तर पर महंगाई करोना के भयानक संक्रमण और रूस यूक्रेन युद्ध की भयानक विभीषिका की परिणति ही है। रूस के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने तो महंगाई में आग ही लगा के रख दी है। रूस अब किसी भी कीमत पर यूरोपीय देशों तथा अन्य पश्चिमी देशों को पेट्रोल डीजल गैस देने की मनः स्थिति में नहीं है,

उस पर रूस पर यूरोपीय तथा ने1टो देशों का प्रतिबंध भी महंगाई का बड़ा कारण है। रूस का अमानवीय तरीके से यूक्रेन पर आक्रमण और लगभग एक करोड़ यूक्रेन के नागरिक अन्य देशों में शरणार्थी बनकर रहने के कारण ही यूरोप में महंगाई बहुत बढ़ गई है। भारत के परिपेक्ष में महंगाई अब चरम सीमा पर है आम आदमी का जीना मुश्किल दर मुश्किल होता जा रहा है। पाकिस्तान, बांग्लादेश के अलावा श्रीलंका में तो महंगाई ने सरकार का तख्ता ही पलट दिया है।

पाकिस्तान में भी सत्ता परिवर्तन का कारण महंगाई तथा बेरोजगारी ही रही है। रूस यूक्रेन युद्ध के इतने महीने बाद भी अमानवीय क्रूर विभीषिका थमने का नाम नहीं ले रही है। यूक्रेन के करोड़ों लोग बेघरबार हो गए हैं।

यूक्रेन की अरबों रुपए की संपत्ति युद्ध की भेंट चढ़ चुकी है, यूक्रेन में नागरिकों का कोहराम मचा हुआ है।

ऐसे समय में संयुक्त राष्ट संघ के महासचिव एंटोनियों गुतारेस की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से शांति बहाल हेतु शांति वार्ता मानवता के लिए सर्वाधिक सकारात्मक एवं अहम पहल है।

अब रूस, यूक्रेन युद्ध भयानक तथा क्रूरतम रूप ले चुका है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूरी तरह अपनी सनक में आकर यूक्रेन को बर्बादी के अंतिम छोर पर पहुंचाना चाह रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ अड़ियल रवैया रूस ही दिखा रहा है बल्कि यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी भी ना जाने किस घमंड और गुमान पर अड़े हुए हैं, उन्हें अपने देश के एक करोड़ से ज्यादा विस्थापित नागरिक दिखाई नहीं दे रहे हैं एवं हजारों निर्दोष नागरिकों के साथ सैनिकों की मृत्यु तथा शव भी उन्हें युद्ध रोकने के लिए बाध्य नहीं कर पा रहें है। वैसे यह तो तय है कि रूसी राष्टपति पुतिन यूक्रेन की आड़ में अमेरिका तथा नाटो देशों के सदस्यों को यह बताना चाह रहे हैं कि रूस अभी भी उतना ही शक्तिशाली है जितना वह उस 1990 में विघटन के पूर्व था। रूस यूक्रेन युद्ध के 50 दिन पूरे हो चुके हैं और यूक्रेन के हौसले अभी भी बुलंद दिखाई दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसियों के अनुसार कीव ,मारियोपोल, बूचा, लोहानस्क,डोनेट्स आदि शहर नर संहार के भयानक केंद्र बन चुके हैं। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार यूक्रेन के मूल हथियार जो उसके पास पूर्व में थे सारे नष्ट हो चुके हैं, तमाम हवाई अड्डे नेस्तनाबूद कर दिए गए हैं, अब स्थिति यह है कि फ्रांस, इजराइल, कनाडा,न्यूजीलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, पोलैंड से आए हुए जहाज, टैंक और मशीन गनों के सहारे ही यूक्रेन में वर्तमान का युद्ध लडा जा रहा है। यूक्रेन के लगभग 20 से 25 हजार सैनिक और नागरिक मारे जाने की एजेंसियों द्वारा पुष्टि की गई है। और कीव ,बूचा, मारियोपोल मैं रूसी सैनिकों के साथ उनके कई सेना के अधिकारियों की मौत की भी पुष्टि की गई है। यूक्रेन के सरकारी प्रवक्ता ने बताया रूस के लगभग 15हजार सैनिक इस युद्ध में हलाक हुए हैं। और उनके लड़ाकू जेट ,पैटर्न टैंक, बख्तरबंद गाड़ियां तथा ड्रोन भारी मात्रा में नष्ट कर दिए गए हैं। रूस युद्ध में अरबों रुपए का नुकसान प्रतिदिन झेल रहा है। यूक्रेन को तो नाटो तथा अमेरिका लगातार आर्थिक तथा सामरिक मदद कर रहा है, जिसके फलस्वरूप यूक्रेन की स्थिति अभी तक मजबूत बनी हुई है।

इस युद्ध में मानवीय संवेदनाओं, मानवता ने यूक्रेन तथा रूस दामन लगभग त्याग दिया है। दोनों देशों के निष्ठुर कमांडरों ने मानवता को मूल नष्ट करने का मानों ठेका ही ले लिया है। यूक्रेन से लगभग एक करोड़ से ज्यादा यूक्रेन के निवासियों ने पोलैंड और यूरोपीय देशों में मजबूर शरणार्थियों की तरह पनाह ले ली है। इस युद्ध में रूस के राष्टपति पुतिन उनके विदेश मंत्री लावरोव तथा रक्षा मंत्री सहित अन्य कमांडर अब मानसिक दबाव में आकर मानसिक असंतुलन की स्थिति में आ गए हैं। पुतिन के मानसिक असंतुलन की स्थिति का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि उसने चेचन्या के सबसे खतरनाक कमांडर रमजान को आक्रमण का जिम्मा दिया है इस कमांडर रमजान के बारे में बताया जाता है कि यह पुतिन का सबसे विश्वास पात्र एवं अत्यंत क्रूर सैन्य अधिकारी है जो केवल विरोधी सैनिकों की मृत्यु बनकर उन पर टूट पड़ता है। ऐसे में यूक्रेन एक बड़े नरसंहार केंद्र के रूप में तब्दील हो सकता है और इसकी परिणति वैश्विक अशांति की ओर अग्रसर हो कर विश्व युद्ध की संभावनाओं को और बढ़ा देगी ।

अब धीरे-धीरे पुतिन की योजनाओं से लगने लगा कि उनकी मानसिक स्थिति हिटलर की तरह पूरे विश्व को विश्व युद्ध की आग में झोंकने की हो गई है। उल्लेखनीय है कि इस रूस यूक्रेन युद्ध में रूस के साथ लगभग 24 देश ही है और बाकी सारे देश रूस का लगातार विरोध कर रहे हैं केवल भारती ही ऐसा देश है जो निरपेक्ष बना हुआ है रूस का मौन समर्थन करने के कारण यूरोपीय देश की नाराजगी झेलने को मजबूर हैं। विश्व युद्ध में भारत की स्थिति बड़ी असमंजस वाली बन सकती है, यदि भारत रूस का साथ देता है तो उसे अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो देशों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर रूस यूक्रेन युद्ध ने मानवीय संवेदनाओं, मानवता को को जिस तरह समूल नष्ट किया है, वह वैश्विक इतिहास वर्तमान संदर्भ में क्रूरतम माना जाएगा।

जानवर भी हमारी करुणा, सम्मान और दोस्ती के योग्य हैं

बेजुबां हैं मगर सब कुछ समझ जाते हैं। जानवर हैं तो क्या,दोस्ती वो भी निभाते हैं।

पुखराज प्राज
गरियाबंद छत्तीसगढ़

मनुष्य और जानवरों के संबंध में विवरण वैसे तो प्राचीन काल से देखने को मिलता है। मनुष्य जो बुद्धिजीवी है, वह अपनी उपयोगिता के आधार पर वन्य जीवों, जानवरों के बीच आपसी व्यावहारिक संबंध स्थापित किया। जिसमें मनुष्य स्वामी और जानवरों दासता के अधीन रहे हैं। इस तर्क का प्रमाण प्राचीन शैलचित्रों एवं विभिन्न आदिकालीन संसाधनों भी मिलता है। डार्विन के मानव और जानवरों के बीच भावनात्मक जुड़ाव के पहले भी हुए शोधों में मानव भावनात्मक जीवन ने मन और शरीर की पश्चिमी दार्शनिक श्रेणियों के लिए समस्याएं खड़ी की थीं। डार्विन की रुचि एक एडिनबर्ग मेडिकल छात्र के रूप में उनके समय और सर चार्ल्स बेल के एनाटॉमी एंड फिलॉसफी ऑफ एक्सप्रेशन के 1824 संस्करण में देखी जा सकती है। जिसमें विषय के आध्यात्मिक आयाम के लिए तर्क प्रदत्त किया गया था। वहीं इसके विपरीत, डार्विन का जैविक दृष्टिकोण जानवरों के व्यवहार में भावनाओं को उनके मूल से जोड़ता है, और सांस्कृतिक कारकों की अनुमति देता है अभिव्यक्ति को आकार देने में केवल एक सहायक भूमिका। मनुष्य जो भावनात्मक रूप से जानवरों से जुड़ाव और उनके बीच संबंधों के कई उल्लेख मिलते हैं। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि पालतू पशुओं की मौजूदगी में अकेलेपन के अवसाद से मनुष्य आसानी से उबर सकता है।

प्रारंभिक दौर के पश्चात् नव पाषाण काल तक आदिम मनुष्य ने पशु को पालना और खेती करने के प्रारंभिक तरीकों की खोज कर लिया।होमोसेपियंस अब समझ गया पशुओं की उपयोगिता से शिकार के साथ-साथ पशुपालन उसके लिए अति महत्वपूर्ण साबित होंगे। वह कई तरह के काम कर लेता था जैसे शिकार करने में कुत्ता, खेती करने में बैल, दूध प्राप्त करने में गाय, भैंस, बकरी मांस प्राप्त करने में, भेड़, भैंसा सवारी हेतु बैल, भैंस, घोड़ा आदि। पुरातत्वविदों के मतानुसार भारत में कृषि की शुरुआत आज से लगभग 10,000 साल पहले हो चुकी थी। वह घुमंतू जीवन के दौरान भी शिकारी कुत्ते, भेड़-बकरियाँ, ऊँट, घोड़ा जैसे जानवरों को पालतू बनाने की कला वह समझ चुका था। एक तरह से मनोवैज्ञानिक रूप में पशुओं पर वह भावनात्मक जुड़ाव और जानवरों का मनुष्यों के प्रति ईमानदारी की समझ उन्नत होने लगी थी।

बहरहाल फ्रांसीसी कवि अनातोले फ्रांस ने एक बार कहा था, ÷जब तक आप किसी जानवर से प्यार नहीं करते, तब तक आपकी आत्मा का एक हिस्सा जागता नहीं है।÷ आमतौर पर, हर घर में एक व्यक्ति ऐसा होता है जो पालतू जानवर चाहता है और दूसरा उसके खिलाफ प्रतीत होता है। इसी बीच में पशुओं और मनुष्यों के बीच संघर्ष भी देखने को मिलते हैं। जिसके परिणामस्वरूप पशुओं के काटने से या उनकी शारीरिक अस्वस्थता का प्रभाव मानवों पर भी पड़ता है। 6 जुलाई, 1885 के पहले पशुओं के स्वास्थ्य एवं संघर्ष के लिए प्रतिजैविक दवाओं की खोज कम ही थी। 6 जुलाई 1885 को लुई पाश्चर ने रेबीज वायरस के खिलाफ पहला टीका सफलतापूर्वक प्रशासित किया था,जो एक जूनोटिक बीमारी है। इसी दिवस के उपलक्ष्य में हर साल 6 जुलाई को जूनोटिक रोगों के जोखिम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व जूनोज दिवस मनाया किया जाता है। जूनोस संक्रामक रोग (वायरस, बैक्टीरिया और परजीवी) हैं। यह जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता हैं और इसके विपरीत, या तो जानवरों के सीधे संपर्क में या अप्रत्यक्ष रूप से, वेक्टर-जनित या खाद्य-जनित के जरिए फ़ैल सकता हैं। पाश्चर ने सहस्त्रों प्रयोग कर डाले। इनमें बहुत से खतरनाक भी थे। 1895 को रेबीज़ के खोजकर्ता वैज्ञानिक का निधन हो गया। बहरहाल, पशुओं और मनुष्यों के बीच भावनात्मक जुड़ाव आज भी नित नवीन मिशाल कायम कर रहा है। हाल में भारतीय चलचित्र उद्योग में पशु और मनुष्य के बीच भावनात्मक संबंधों पर केन्द्रित विषय पर फिल्म चार्ली ट्रिपल सेवन की फिल्मांकन की पराकाष्ठा से अंदाजा लगा सकते हैं की मनुष्यों और जानवरों के जुड़ाव-संबंधों कितने प्रगाढ़ हैं।

पालतू जानवर प्यारे जीवन साथी हैं। घर में पालतू जानवर रखने से तनाव से बचा जा सकता है। लेकिन अगर आप एक अपार्टमेंट में रह रहे हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप उन नियमों और विनियमों को जानते हैं जो आमतौर पर अपार्टमेंट मालिकों या समाजों द्वारा लगाए जा सकते हैं।जानवरों के प्रति क्रूरता की रोकथाम अधिनियम, 1960 की धारा 11 (3) में कहा गया है कि हाउसिंग सोसायटियों के लिए पालतू जानवरों को प्रतिबंधित करने वाले प्रस्तावों को पारित करना अवैध है । साथ ही, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 ए (जी) के अनुसार, जीवित प्राणियों और जानवरों के प्रति दयालु व्यवहार करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। वहीं भारतीय दर्शन में पशुओं की महत्ता एवं संरक्षण के उद्देश्य से इनमें ईश्वरीय शक्ति की कल्पना के प्रमाण भी मिलते हैं।

कायाकल्प

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा उत्तरप्रदेश

लाल जोड़े में सजी धजी
लाल चूड़ा हाथों में था खनकता
चेहरे पे खुशी की लाली लिए
आयी थी बन दुल्हन सजाया घर संसार
बच्चे हुए उनको कर बड़ा किया पैरों पे खड़ा
फिर रचाये सबके ब्याह बड़े ही चाव से
दो लड़कियां दो बेटोंदो जवाई दो बहुएं
इस तरह हुआ विस्तार मेरे परिवार का
फिर सबके हुए बच्चे
बनी मैं नानी और दादी
सब कुछ कितना अच्छा चल रहा था
जब बीमारियों ने आ घेरा
धीरे धीरे यूँ रोज़ जुड़ती गई
एक नई बीमारी और गिरने लगी सेहत
जिन होठों पर रहती थी सदा हँसी
छा गयी मायूसी
जिस दिल में होती थी खुशी
वहाँ रहने लगा दर्द
दिल क्या दिमाग क्या लिवर
क्या सब छोड़ रहे थे साथ
शरीर सुकड़ रहा था
हड्डियों भी नहीं रही बस मास ही मास
न बाल रहे न चेहरा
इस तरह कायाकल्प
हो गया था मेरा देखते ही देखते
बहुत तड़पी बहुत कराही
डॉक्टरों ने भी दे दिया जवाब
बस कुछ पल ही रहूँगी और
पर फिर भी चार महीने लिखे थे
और दर्द के
जब सबने छोड़ दी आस बच गयी मैं
और अब जब किसी को नहीं थी
आस मेरे जाने की
ली आखिरी सांस मैंने
और हुई विदा सुहागन
छोड़ रिश्ते सारे पीछे छोड़ सारी यादें, बातें,
मुस्कानें अपनीबस आयी थी डोली में
विदा हुई अर्थी पे ।।

मुस्कुराते रहना

गरिमा राकेश गौत्तम
कोटा राजस्थान

अरे तुम घर आ गए
दरवाजे संग मेरा
मन भी खुला है।
तुम्हारें स्वागत में
पलकें बिछा रहा है।
पर.......
अंदर आने से पहले
पायदान पर तुम
अपना अहम झाड़ आना,
बैठी हूँ तुम्हारें लिए
तुम बस मुस्कराते हुए आना।
सुनों अगर तुम नाराज हो
तो जूतों संग नाराजगी
भी उतार आना।
काम बहुत है तुम्हें,
पर सारी व्यवस्ताए
बाहर लगे नीम के पेड़ पर
टांग आना।
तुम जब अंदर आओं
तो सारी उलझनें
नकारात्मकता,
सीढ़ियां चढ़ते-चढ़ते
मिटा देना।
बस तुम थकान के
साथ आना जिसे
मैं मनुहार के पंखे
और प्रेम, विश्वास की
धीमी आँच पर
बनी चाय संग उतार दूँगी।
और तुम सिर्फ मेरे लिए
बस मेरे लिए मुस्कराते रहना।

रिमझिम बारिश में

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
बालोद छत्तीसगढ़

रिमझिम-रिमझिम बारिश में,
मेरा भीगने का मन करता है।
काले काले बादल छाए,
पके जामुन की तरह।
उड़ रहे हैं देखो वे,
जैसे सूखे ऊन की तरह।
उछल-उछलकर बादलों को,
मेरा पकड़ने का मन करता है।
रिमझिम-रिमझिम....
बैठ काग मुण्डेर पर,
काँव काँव गा रहा है।
नम सर्द हवा पाकर,
बछड़ा खूब फुदक रहा है।
बहते पानी के बुलबुले संग,
मेरा खेलने का मन करता है।
रिमझिम-रिमझिम....
भरी हुई हैं जलबूँदों से,
अमरूद की हरी डालियाँ।
अब हँसने को तैयार हैं,
चम्पा की नव कलियाँ।
बिही के हिलते पत्तों को देख,
मेरा ठुमकने का मन करता है।
रिमझिम-रिमझिम....

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

युवक की हत्या के मामले में दो भाई गिरफ्तार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर/राजपुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम लडुआ में हुई युवक के अंधे कत्ल की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने गांव के ही दो भाइयों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार 1 जुलाई की सुबह ग्राम लडुआ के हाईस्कूल प्रांगण में एक अज्ञात युवक की लाश मिली थी। अज्ञात आरोपियों ने युवक की हत्या कर दी थी। मामले में पीएम रिपोर्ट में भी हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस अपराध दर्ज कर मृतक की शिनाख्त में जुट गई। इसी दौरान मृतक की शिनाख्त शंकरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पोड़ी खुर्द निवासी 28 वर्षीय अजय नगेशिया के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने जांच प्रारंभ की व संदेह के आधार पर ग्राम लडुआ खुटीपारा निवासी निर्मल एक्का के दो बेटों 25 वर्षीय आशीष एक्का व 21 वर्षीय विवेक एक्का को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों भाइयों ने शुरू में पुलिस को काफी गुमराह किया, लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने मृतक की हत्या करने का जुर्म कबूल लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बताया कि मृतक अजय नगेशिया द्वारा 30 जून की रात आरोपी भाइयों की मां से झगड़ा किया जा रहा था। इससे आक्रोशित होकर दोनों भाइयों ने डंडे व पत्थर से मृतक के सिर पर प्राणघातक हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शव को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए थे। इस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कार्रवाई में एसडीओपी कुसमी रितेश चौधरी, थाना प्रभारी राजपुर अखिलेश सिंह, सउनि नीलमणी कुजूर व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में सातवां दीक्षान्त परेड समारोह का समापन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, मैनपाट में सातवां दीक्षान्त परेड समारोह 5 जुलाई को आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अजय यादव, पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज के द्वारा दीक्षान्त परेड की सलामी प्रातः 10 बजे ली गयी। दीक्षांत परेड सलामी के पश्चात् मुख्य अतिथि के द्वारा नवआरक्षकों के परेड का निरीक्षण किया गया तत्पश्चात् पुलिस अधीक्षक मैनपाट रविकुमार कुर्रे द्वारा नव आरक्षकों को शपथ दिलाया गया। दीक्षांत परेड के पश्चात् पुलिस अधीक्षक पीटीएस मैनपाट के द्वारा संबोधित किया गया जिसमें नवआरक्षकों के प्रशिक्षण से संबंधित जानकारी दी गई तथा नवआरक्षकों के द्वारा किये गये रचनात्मक कार्यों 1. शिव मंदिर निर्माण कार्य, 2. अम्बेडकर गार्डन एवं कार्य पालिका का स्टेच्यु एवं संविधान का स्टेच्यु 3. टेक्टिकल ग्राउण्ड, 4. शहीद अगस्तुस गेट, 5, सर्व धर्म पूजा स्थल, 6 पुलिस रेग्युलेशन स्टेच्यु 7. पीटीएस परिसर का सौन्दर्यीकरण का उल्लेख किया गया एवं बताया गया कि नवआरक्षकों को बुनियादी प्रशिक्षण इस तरह से दिया गया है कि जिले में जाने के पश्चात् पुलिस को आने वाली चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपट सकेंगे। पुलिस महानिरीक्षक महोदय के द्वारा नवआरक्षकों को संबोधित किया गया. जिसमें नवआरक्षको के द्वारा दीक्षांत परेड की सराहना की गई। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था एवं बदलते परिवेश के साथ बदलती अपराध की प्रकृति एवं आर्थिक अपराध के लिए पुलिस को सक्षम बनाने तथा अनुशासित रहकर ड्यूटी करने का उल्लेख किया गया। नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों में प्रथम स्थान प्राप्त

किये नवआरक्षकों को मुख्य अतिथि के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उक्त दीक्षान्त परेड समारोह में 07 जिले राजनांदगांव (99). बीजापुर (100). सरगुजा (08). जशपुर (13). बलरामपुर (44). कोरिया (07), कोण्डागांव (41), के कुल 312 प्रशिक्षण प्राप्त नव आरक्षकों के द्वारा भाग लिया गया। पुलिस अधीक्षक पीटीएस मैनपाट के द्वारा पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा अजय यादव, पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्रीमति भावना गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल ठाकुर, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू, डिवीजनल कमाण्डेंट होमगार्ड राजेश पाण्डेय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। उक्त दीक्षांत परेड समारोह में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्रीमति भावना गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कोरिया प्रफुल्ल सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू, होमगार्ड डिवीजनल राजेश पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक कोरिया रूपेश डांडे तथा गौ सेवा सदस्य अटल यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि, पत्रकार तथा आम नागरिक उपस्थित रहे। दीक्षांत परेड समारोह के परेड का नेतृत्व कमाण्डर नवआरक्षक ओमप्रकाश एवं सहायक परेड कमाण्डर नवआरक्षक दिलेश्वर के द्वारा किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमति सुनीता दास के द्वारा किया गया। दीक्षांत परेड समारोह कार्यक्रम 11ः45 बजे सम्पन्न हुआ।

कोलडीहा के सरपंच एवं भूमाफिया मिलकर अपने ही परिवारों के नाम पर करा लिया फर्जी वन अधिकार पट्टा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। ग्राम पंचायत कोलडीहा सरगुजा के सरपंच एवं अपने परिवार के साथ मिलकर फर्जी वन अधिकार पट्टा क्रमशः महेश केरकेटा आ. प्रताम केरकेटा, उमेश केरकेटा आ. प्रताम केरकेटा हरदयाल केरकेटा पति प्रताम केरकेटा रजनी केरकेटा आ. प्रताम केरकेटा सनिता केरकेटापति महेश केरकेटा सुमित केरकेटाआ. मंगलू केरकेटा सभी निवासी ग्राम कोलडीहा ग्राम पंचायत कोलडीहा तहसील अंबिकापुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ़ का जारी करा दिया गया है। जो कि आपस में एक ही परिवार के सदस्य हैं। उक्त वन अधिकार पट्टा में फर्जी दस्तखत भी करा दिया गया है एवं अन्य ग्राम वासियों का वन अधिकार पट्टा कितने दिनों से पेंडिंग पड़ा हुआ है लेकिन आज दिनांक तक किसी का भी वन अधिकार पट्टा के लिए फार्म वगैरा नहीं भरा गया एवं नाही

आज दिनांक तक कभी भी कहा गया वह की आप सभी वन अधिकार पट्टा के लिए आवेदन करें। उक्त पांच व्यक्तियों ने लगभग 35 एकड़ भूमि का वन अधिकार पट्टा फर्जी तरीके से जारी करा दिया गया है। उक्त वन अधिकार पट्टा का फर्जी तरीके से भी कलेक्टर, वनमंडलाधिकारी, सहायक आयुक्त अधिकारियों का हस्ताक्षर किया गया है जिसे जांच करते हुए उक्त वन अधिकार पट्टा को निरस्त कर उचित करवाई किया जाए।

युवक ने आरक्षक पर चाकू से हमला कर किया लहू-लुहान

-संवाददाता-

सूरजपुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। सोमवार की रात नगर के मानपुर में एक आरक्षक पर चाकू से हमला कर आहत कर दिया गया है।जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।घटना के बाद से आरोपी फरार है।बताया गया है कि विश्रामपुर में पदस्थ आरक्षक मुकेश साहू कल रात वीआईपी डियूटी से वापस लौट कर घर जा रहा था तभी मानपुर के पास नगर का युवक सुजल महतो उर्फ बब्बा बाइक से कट मार रहा था जिसे आरक्षक ने समझाने की कोशिश की तो युवक भड़क गया और जेब से बटन वाला चाकू निकाल कर आरक्षक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।पहला वार उसने गरदन पर किया पर वहां बच जाने से जांघ पर वार किया जिस से आरक्षक को गम्भीर चोटें आई है।आसपास के लोगो ने आरक्षक को रक्त रंजित हालत में तत्काल अस्पताल पहुचाया जहां उसका उपचार किया जा रहा है।रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक पर जानलेवा हमले का जुर्म दर्ज किया है।आरोपी घटना के बाद से फरार हो गया है।जिसकी तलाश की जा रही है।

बालक बालिकाओं की सुरक्षा एवं जूविनाइल एक्ट के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अजय यादव एवं पुलिस अधीक्षक सरगुजा भावना गुप्ता के मार्गदर्शन में पुलिस को-ऑर्डिनेशन सेंटर अंबिकापुर में बालक बालिकाओं की सुरक्षा एवं जूविनाइल एक्ट के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कौशिक, उप पुलिस अधीक्षक एसएस पैकरा एवं प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक प्रशांत देवांगन के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला में जे.जे. एक्ट, पोक्सो एक्ट एवं बच्चों के प्रति पुलिस थानों का मित्रवत व्यवहार के संबंध में चर्चा की गई। एवं वर्तमान कानूनी बदलाव के बारे में सभी थाना प्रभारियों अधिकारियों/कर्मचारियों को जानकारी दी गई, कार्यशाला का

मुख्य उद्देश्य जूविनाइल जस्टिस एक्ट एवं पोक्सो एक्ट के अंतर्गत पुलिस की भूमिका के बारे में चर्चा की गई एवं बच्चों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में सी.एस.जे. संस्था की और से सुश्री निमिशा श्रीवास्तव के द्वारा बालक/बालिकाओं के संबंध में विधिक जानकारी प्रदान की गई, यह कार्यक्रम यूनिसेफ, सी. एस. जे. एवं पुलिस का सुरक्षा के जॉइंट प्रोजेक्ट है। सभी अधिकारी / कर्मचारी का वर्तमान विधिक ज्ञान जानने हेतु प्री टेस्ट कराया गया, क्षेत्र की अपनी दिक्कतों के बारे में जानकारी ली गई एवं सुश्री प्रियंका सेठी रायपुर यूनिसेफ संस्था की ओर से जे.जे. एक्ट, पोक्सो एक्ट के संबंध में जानकारी दी गई कार्यक्रम में अनिल कुमार सी. डब्ल्यू. सी. मेंबर, प्रगेश वर्मा चाइल्ड लाइन, हरिप्रसाद यादव, कमलेश राजवाड़े, प्रतीक्षा बघेल, लीमा किस्पोट्टा, सुमंती खाखा एवं सरगुजा जिले के समस्त थाना, चौकी प्रभारी एवं पुलिस के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

रक्तदान कर हर्षित है सुप्रिया रानी,सखी रक्तदाता समूह दे रहा मरीजों को नया जीवन

रामानुजगंज 05 जुलाई 2022 (घटती घटना)। जिला अस्पताल में ग्राम सुर्रा निवासी थैलेसीमिया पीड़ित बालिका अंशु (3वर्ष) को सखी रक्तदाता समूह की सदस्य श्रीमती सुप्रिया रानी केशरी ने क्र-1द्द रक्तदान कर नया जीवन प्रदान किया। रक्तदाता सुप्रिया ने बताया कि उनके पति धर्मप्रकाश केशरी नियमित रक्तदान करते हैं, उनके प्रेरणा से आज सपरिवार ब्लड बैंक आकर प्रथम रक्तदान बारी बारी से कर रहे हैं। रक्तदान पश्चात आत्मसंतोष का अनुभव अनुभव करते हुए उन्होंने अन्य महिलाओं से भी रक्तदान करने की अपील की।

इसी क्रम में एनीमिया पीड़ित पंडो समुदाय की महिला सुनीता पंडो के लिये रामनुजगंज रक्तदाता समूह के सदस्य विवेक कुमार ने-+1द्द रक्तदान किया,यह उनका द्वितीय रक्तदान था। जिले में स्थानीय युवाओं के सहयोग

से रक्तदाताओं की एक लंबी श्रृंखला बनी हुई है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को तत्परता से रक्त उपलब्ध कराया जाता है।उल्लेखनीय है कि बलरामपुर में ब्लड बैंक की स्थापना के पूर्व से ही रामानुजगंज के समाजसेवी आनंद गुप्ता ने साथियों के साथ मिलकर %रक्तदाता समूह रामानुजगंज% का गठन किया एवं अपनी टीम के साथ स्थानीय युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना शुरू किया। अप्रैल 2019 से शुरू हुआ यह अभियान अब तक निर्बाध रूप से चल रहा है। रक्तदाता समूह रामानुजगंज के सदस्य स्वयं में व्यय से लंबी यात्रा करके अन्य जिलों में जाकर रक्तदान किया करते हैं। जिला अस्पताल बलरामपुर में ब्लड बैंक की स्थापना के लिये भी इस ग्रुप के सदस्यों ने हर संभव कोशिश किया। ब्लड बैंक खुलते ही ग्रुप के रक्तदाताओं ने कैम्प लगाकर रक्तदान किया एवं निरन्तर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहे हैं। समूह में सदस्य रक्तदान के लिये मुहिम चलाकर युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से बलरामपुर रामानुजगंज के रक्तदाताओं की टीम सतत सम्पर्क में रहते हुये ब्लड की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिये हमेशा तैयार रहते है। समूह की प्रयासों का ही परिणाम है कि जिले में अब महिला रक्तदाताओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। सखी रक्तदाता समूह रामानुजगंज की महिलायें रक्तदान सेवा के लिए सदैव तत्पर रहती है। महिलाओं की सेवा भावना एवं जागरूकता से अन्य लोग भी प्रेरित हो रहे हैं।

जिला प्रशासन करें अन्य सुविधाओं में विस्तार

जिले में सर्वाधिक रक्तदान के लिये राज्यपाल से सम्मानित रामानुजगंज रक्तदाता समूह के प्रमुख आनंद गुप्ता ने बताया कि रक्त की कमी से कोई मरीज की जान न जाये, यह हमारे ग्रुप की पहली प्राथमिकता है। हमारा ग्रुप सदैव सेवा के लिये तैयार रहता है। बलरामपुर ब्लड बैंक में स्टाफ एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जिस कारण कई बार रक्तदाताओं को अनावश्यक रूप से परेशान होना पड़ता है। अस्पताल प्रबंधन एवं जिला प्रशासन से अपेक्षा है कि ब्लड बैंक में स्टाफ एवं अन्य सुविधाओं के विस्तार पर ध्यान देवें।

कुन्नी चौक से पिकअप की हुई चोरी

-संवाददाता-

लखनपुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवापारा कुन्नी चौक में घर के सामने खड़े बोलेरो पिकअप वाहन को 4 व 5 जुलाई की दरमियानी रात अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम नवापारा निवासी आरकेश यादव जो अपने बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 टी 1141 को घर के सामने खड़ा किए हुए थे। सुबह उठकर वाहन स्वामी ने देखा कि घर के सामने बोलेरो पिकअप वाहन नहीं है अज्ञात चोरों के द्वारा वाहन को चोरी कर लिया गया है । बोलेरो पिकअप वाहन को आसपास क्षेत्रों में वाहन स्वामी के द्वारा पता की गई परंतु कुछ पता नहीं चला जिसके बाद 5 जुलाई दिन मंगलवार को लखनपुर थाना पहुंच वाहन स्वामी आरकेश यादव के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया गया। महिंद्रा बोलेरो पिकअप वाहन के डाले के दोनों तरफ जयसवाल रोडवेज चांदोरा लिखा हुआ है। यदि किसी सज्जन को वाहन की जानकारी मिले तो मोबाइल नंबर 87 7070 5183, 6261 3854 83 में फोन कर सूचना दे।

चोरी की मोटर सायकल सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर 05 जुलाई 2022 (घटती-घटना)। विश्रामपुर निवासी अर्जुन सोनी ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 6 दिसम्बर 2021 को दोपहर में अपने हीरा एचएफ डिलक्स मोटर सायकल को सूरजपुर कोर्ट के बाहर में खड़ा किया था कुछ देर बाद वापस आया तो मोटर सायकल वहां नहीं था किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध धारा 379 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने मोटर सायकल चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। थाना सूरजपुर की पुलिस ने मंगलवार को मुखबीर की सूचना पर संदेही सवि लाल जायसवाल उर्फ होण्डा पिता स्व. चित्र प्रसाद 30 वर्ष ग्राम गजाधरपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया ने अपने साथी मोईनउद्दीन उर्फ चरकू के साथ मिलकर मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार किया जिसके बाद आरोपी मोईनउद्दीन उर्फ चरकू पिता नजीमउद्दीन उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम करवां, चौकी लटोरी को पकड़ा गया। आरोपियों के निशानदेही पर चोरी की मोटर सायकल कीमत 30 हजार रूपये को बरामद कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा(छ.ग.)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं0 /अ-2/2021-22

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कौशिल्या भगत पत्नी अमरजीत भगत जाति उरांव निवासी ग्राम केनाबांध अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 2104/3 रकबा 0.017 हे0 का आवासीय व्यपवर्तन कराने के लिए शपथ पत्र,खसरा, बी-1 की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 11/07/2022 को मेरे न्यायालय अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/06/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी(रा)
अम्बिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथिः-28.06.2022
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए Log in करें https://eproc.cgstate.gov.in
02. आनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-18.07.2022
03 संबंधित संभाग-सूरजपुर

सरल क्रं	एन.आई.टी.क्रं/ऑन लाईन सिस्टम क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	43 103838 1st Call C Class and Above	जिला सूरजपुर के बांसापारा स्कूल से बिलारो पहुंच मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 1.50 कि.मी.	195.99
2	44 103840 1st Call D Class and Above	जिला बलरामपुर रामानुजगंज (वास्तविक जिला सूरजपुर) के बनारस मुख्यमार्ग से करौंधा तक मार्ग निर्माण पुल-पुलिया सहित लंबाई 0.90 कि.मी.	74.77
3	45 103841 1st Call C Class and Above	जिला बलरामपुर रामानुजगंज (वास्तविक जिला सूरजपुर) के अम्बिकापुर मुख्यमार्ग से झिंगापारा चौक तक मार्ग लंबाई 1.25 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	117.30

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी नं.-92672/3

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थाानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा ड्यूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्‌घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

भाजपा की अंतर्कलह ने अपने ही पूर्व सरकार का उधेड़ा बखिया

जिले के नेताओं को भी बताया विकास विरोधी,फिर किया खंडन,भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायत उच्च पदाधिकारियों से

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। विगत दिनों मुख्यमंत्री की भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा पटना को नगर पंचायत बनाने की घोषणा के बाद कांग्रेसियों से भी पहले पटना क्षेत्र के कुछ भाजपाइयों ने एक साथ बैठकर, फोटो खींचाकर, पटाखाफोड़ कर मुख्यमंत्री की तारीफ की। हालांकि अच्छे कार्यों और स्वागतयोग्य निर्णयों का स्वागत होना चाहिए परंतु जब उनसे पत्रकारों ने सवाल पूछा कि यह तो पार्टी की रीति नीति के खिलाफ बगावत है, तो उन्होंने सरेआम जवाब दिया कि यह कार्य तो 2014/2018 में ही संभव था परंतु अपने लोगों द्वारा ही नहीं बनने दिया गया था। जिस पर अखिलेश गुप्ता के अनुसार सवाल यह उठता है कि उस समय भाजपा की सरकार थी, क्षेत्र में भाजपा के विधायक और मंत्री थे, तो क्या यह आरोप अपरोक्ष रूप से उन्हीं के ऊपर लगाया गया है? यदि ऐसा है तो यह मामला उसी समय तत्काल सामने क्यों नहीं लाया गया?

चुंकि अपनी ही सरकार के खिलाफ बयान बाजी पार्टी कार्यकर्ताओं के जोश को कम कर देता है। तत्कालीन समय में पटना के नगर पंचायत ने बन पाने का कारण चाहे जो भी रहा हो, परंतु सार्वजनिक मंच पर ऐसी बयानबाजी पार्टी विरोधी गतिविधियों को इंगित करती है और विपक्षी पार्टियों को खुलकर बोलने, घेरने का मौका मिल जाता है। सवाल नगर पंचायत बन जाने पर खुशी जाहिर करने का नहीं है, क्षेत्र के विकास के लिए सरकार द्वारा पटना को नगर पंचायत बनाए जाने का निर्णय स्वागत योग्य कदम है। हर लाभान्वित और आशान्वित नागरिक इसकी खुशी जाहिर कर रहे हैं। परंतु लंबे समय से नगर पंचायत न बन पाने का ठीकरा परोक्ष अपरोक्ष रूप से विगत समय पर रही सरकार और उसके प्रतिनिधियों पर थोपना कहां तक उचित है। वह भी उन लोगों के द्वारा जो पार्टी में उच्च पदों को सुशोभित किए और सरकार के जाते ही पार्टी कार्यक्रमों से दूरी बना ली। एक ओर जहां 15 वर्ष के सत्ता शासन के बाद 15 सीटों पर सिमटी भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट कर जोश खरोश के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरने की बात कर रही है। वहीं ऐसे आरोप-प्रत्यारोप कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने का कार्य कर रहे हैं।

भाजपाईयो को की मांगा हो कार्यवाही

इस बयान के बाद भाजपाईयो में कार्यवाही की मांग उठाने लगी, यदि

ऐसे लोग पुर्व में पटना के नगर पंचायत न बन पाने का ठीकरा अपनी सरकार को दे रहे हैं, तो इन पार्टी पदाधिकारियों द्वारा पार्टी पर ही तोहमत लगाने का कार्य किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र की जनता और भाजपा कार्यकर्ता दिग्भ्रमित हो रहे हैं। अब जबकि आने वाले एक डेढ़ वर्ष के भीतर ही विधानसभा का चुनाव होना है। ऐसा बयान बाजी और आरोपों से पार्टी के क्षेत्र में जनाधार कम होने की आशंका है। ऐसे में पार्टी के विरुद्ध जाकर बयानबाजी करना क्षेत्र में पार्टी को कमजोर करने की दिशा में उठाया गया घोर अनुशासनहीनता वाला कदम है। जिस पर अखिलेश गुप्ता ने पार्टी पदाधिकारियों को संज्ञान लेकर पार्टी हित में उचित कार्यवाही करने और पार्टी को कमजोर करने वाले व्यक्तियों का नियमानुसार निष्कासन करने की महती आवश्यकता जाहिर की है।

मुख्यमंत्री की आमसभा में मंचस्थ क्षेत्रीय विधायक व संसदीय सचिव ने अपने क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री से की मांग- भूपेश सरकार के भेंट मुलाकात का दौर प्रदेश भर में जारी है। आमजन में सभाओं के माध्यम से सीधा जन संवाद और विकास के घोषणाओं का लंबा लिफाफा भी साथ लिए चल रही है। इसी दौरान 3 जुलाई को कोरिया जिले के बचरापोंडी और ग्राम पंचायत पटना में सभाएं आयोजित की गई। पटना की भेंट मुलाकात आम सभा में मुख्यमंत्री ने कई समस्याओं और सुविधाओं का सीधा जायजा लिया। कहीं पर लोगों के हाथों में ज्ञापन थे तो कहीं पर उनकी मांगे। इसी दौरान मुख्यमंत्री की आमसभा में मंचस्थ क्षेत्रीय विधायक व संसदीय सचिव अंबिका सिंहदेव अपने क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री से मांग रखते हुए ग्राम पटना में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, सहकारी बैंक की शाखा, गिरजापुर में विद्युत सब स्टेशन सहित ग्राम पंचायत पटना को नगर पंचायत की घोषणा करने की बात मुखिया से कही गई और मुख्यमंत्री ने उनकी सभी मांगों की घोषणा भी कर दिया।

सीएम के घोषणाओं के ऐसे मुरीद हुए भाजपाई की पूर्व जिलाध्यक्ष ने कहा पटाखा फोड़ा है और अपने ही पार्टी के लोगो पर ठीकरा फोड़ा- जी हां भाजपा की तीन पंचवर्षीय छत्तीसगढ़ सरकार की विदाई हुए महज कुछ साल हुए हैं और जहां पर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस 15 साल का अज्ञातवास झेलकर भी उसके कार्यकर्ता और संगठन की मजबूती पर छोटी सी सेंध भी नही लग सकी। वहीं 15 साल सरकार में रहकर छप्पन भोग खींचने वाले भाजपा नेता इतने बेसब्र निकले की अपनी पार्टी भक्ति छोड़ खुले आम बगावती तेवर दिखाने में कोई कसरनहीं छोड़ रहे हैं। ताजा मामला कोरिया जिले से है। जहां पर ग्राम पंचायत पटना में मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर भाजपाई नेताओं ने बकायदा फोटो खिंचवाकर घोषणाओं पर भूपेश बघेल का आभार जताया, पटाखा भी फोड़ने की बात पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहर गुप्ता ने स्वीकारा की नगर पंचायत बनाने की घोषणा को काग्रेस सरकार का पटना क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण विकास बताया साथ ही विकास की घोषणा की तारीफ करते हुए यह भी कहे की 2014 में जब हमारी भाजपा सरकार थी तभी यह विकास संबंधी कार्य किए जा सकते थे परंतु हमारे जिले के जनप्रतिनिधि और नेताओं की वजह से नहीं हो सका, जिसकी पूर्ति राज्य की भूपेश सरकार ने आज 3 जुलाई को कर दिया। आपको बता दें की पटना क्षेत्र के चार भाजपा नेता जिसमे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जवाहर गुप्ता, जिला भाजपा उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े, अनिरुद्ध ठाकुर, रविशंकर शर्मा की सामूहिक फोटो सहित सोशल मीडिया में टिप्पणी वायरल होने के बाद इन नेताओं पर तर्क वितर्क का दौर शुरू हुआ है।

युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष भी निकले कका के प्रशंसक

भाजपा के संगठन की जिस तरह कलई खुलने की शुरुआत कोरिया जिले में दिख रही है। उससे यह अंदाजा जरूर लगाया जा सकता है की कोरिया जिले सहित राज्य भर के संगठन में बड़े पैमाने पर सर्जरी की आवश्यकता है।हालांकि ये हमारा मुद्दा नहीं है लेकिन भाजपा के अंदर बैठे भितरघातियों की वजह से पार्टी का चिच्छा लेदर आस्थावान मतदाताओं को भावनात्मक रूप से चोंटिल कर रहा है।जिससे भाजपा के प्रति आमजन मानस में बना विश्वास भी खतम होता जा रहा है।आपको बतादें की कोरिया जिले के भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सत्यम साहू ने भी मुख्यमंत्री के घोषणाओं पर सोशल मीडिया में जमकर तारीफ करते नजर आए और मुख्यमंत्री का सहर्ष आभार भी जताया है।हालांकि विकास की बात पर विपक्ष की भूमिका वालों का ऐसा चरित्र कोरिया जिले में इन दिनों बहुत आम है।लेकिन पार्टी भक्ति और विपक्ष की भी भूमिका की जरूरत होती है।जिसको त्याग कर जिले के भाजपाई अपने ही विपक्ष के गुणगान में मस्त हैं।

नई किताबें,स्कूल बैग,ड्रेस,जूते पाकर दिव्यांग सतीश के चेहरे पर आयी मुस्कान

--संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। जिला कलेक्टोरेट मंथन सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक के बाद आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में कुल 30 आवेदकों ने विभिन्न विभागों से संबधित आवेदन कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा के समक्ष प्रस्तुत किये। जनदर्शन में 6वीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने 10 वर्षीय दिव्यांग पुत्र सतीश बंसल के साथ पहुँची उनकी माता ज्योति बंसल ने कलेक्टर श्री शर्मा के समक्ष पुत्र की पढ़ाई के लिए सहायता राशि के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को तुरंत विद्यार्थी दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत सतीश को 50 हजार रुपए की सहायता राशि तथा कॉपी-क़िताब, स्कूल ड्रेस, जूते, बैगा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कुछ ही देर में सतीश को

सहायता राशि तथा पठन सामग्री उपलब्ध करायी गयी। सतीश की माता ने इसके लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

99 वर्षीय बुजुर्ग दुधनाथ पहुंचे कलेक्टर जनदर्शन में, कहा मुख्यमंत्री से मिलकर धन्यवाद देने की थी इच्छा- जनदर्शन में विकासखण्ड सोनहत के ग्राम पोड़ी के 99 वर्षीय बुजुर्ग दुधनाथ कलेक्टर श्री शर्मा से मिलने पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर को कहा कि उनकी मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के लिए धन्यवाद देने की इच्छा थी, मैं आपके माध्यम से अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुँचाने आया हूं। कलेक्टर श्री शर्मा ने बुजुर्ग को आश्वस्त किया और कहा कि आपकी बात मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुँचायी जाएगी।

60 हजार रूपये कीमत के 6 टन कोयला,2 पिकअप वाहन जप्त

- संवाददाता-

सूरजपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देश पर अवैध कारोबार पर पुलिस की निरंतर कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में सोमवार को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम सिलौटा चटटीपारा रास्ते में 2 पिकअप वाहन संदिग्ध हालत में खड़ा है। थाना प्रतापपुर की पुलिस फौरन मौके पर पहुंची जहां पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 03 एबी 5983 एवं पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 एसी 3752 संदिग्ध हालत में खड़ा मिला जिसकी तलाशी लेने पर दोनों पिक-अप में 3-3 टन कोयला लोड़ पाया जिसकी कीमत 60 हजार रूपये है। मामले में धारा 102 के तहत कार्यवाही करते हुए दोनों पिक-अप वाहन एवं कोयला जप्त कर माल-मालिक की पतासाजी की जा रही है।

जिले में सर्वाधिक वर्मी खाद उत्पादक स्व सहायता समूह की महिलाओं का हुआ सम्मान

- संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान जिले में सर्वाधिक वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन करने वाले समूह को समान्नित किये जाने की बात कही थी जिसके अनुपालन में आज जिला पंचायत ऑडिटोरियम में कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने जिले के गौठानो में सर्वाधिक वर्मी खाद उत्पादक 50 स्व सहायता समूह की महिलाओं को सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ कुणाल दुदावत, सीईओ जनपद, सीएमओ तथा जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर को शुभकामनाएं दीं तथा इसी प्रकार कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि जब एक पुरूष आगे बढ़ता है तो वह स्वयं अकेला आगे बढ़ता है, परन्तु जब महिला आगे बढ़ती है तो वह अपने साथ पूरे परिवार को आगे बढ़ाती है।

महिलाओं ने साझा किया अनुभव

जिले में सर्वाधिक वर्मी कम्पोस्ट खाद का उत्पादन करने वाली विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ की स्वच्छ मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र स्तरीय संघ की सदस्य श्रीमती प्रीति टोप्पो ने बताया कि वो पहले कचरा क्लेक्शन का कार्य करती थीं, गोधन न्याय योजना के तहत जब मैंने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण का कार्य शुरू किया तब घर-परिवार के लोग खुश नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे उत्पादन एवं विक्रय से लाभ मिला समाज में हमारा मान-सम्मान बढ़ा है। समूह द्वारा 9 लाख 30 हजार किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन से 36 लाख 49 हजार 305 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। नई लेदरी के सहयोग क्षेत्र स्तरीय संघ की सदस्य ने बताया कि मैंने पहले कभी नही सोचा था कि मैं आज यहां तक पहुंच सकूंगी, मैं पहले सब्जी बेचने का काम करती थी। शासन की गोधन न्याय योजना ने मुझे और मेरी समूह की महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सबल बनाया है। समूह ने 1 लाख 36 हजार किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट खाद का निर्माण कर 5 लाख 35 हजार रुपए अर्जित किए हैं।

एसपी कि अध्यक्षता में एक दिवसीय पुलिस एवं यूनिसेफ की कार्यशाला सम्पन्न

- संवाददाता-

रामानुजगंज05जुलाई 2022 (घटती घटना) पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग की अध्यक्षता में एक दिवसीय पुलिस एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में बालकों का संरक्षण, देखरेख एवं बालक एवं बालिकाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों के संबंध में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी मोहित गर्ग ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों के सहयोग से उक्त संबंध में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है कभी हमें सफलता मिल सकती है। इसी क्रम में श्रीमती निमिषा श्रीवास्तव,काउंसिल टू सिक्योर जस्टिस संचालक दिल्ली एवं प्रियंका शेट्टी बाल संरक्षण सलाहकार रायपुर द्वारा बालक एवं बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध तथा पॉक्सो एक्ट के संबंध में जानकारी दी गई। बालक बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों से संबंधित मोबाइल ऐप ह्यद्यद्बस्रश.ष्ध्द्ब के सम्बंध में जानकारी दी गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी रामानुजगंज नारद कुमार सूर्यवंशी,सुश्री ज्योत्सना चौधरी उप पुलिस अधीक्षक बालक विरुद्ध अपराध अन्वेषण जिले के समस्त थाना चौकी प्रभारीगण,विकास गुप्ता,महिला एवं बाल विकास विभाग संजू यादव सखी सेंटर, डीपीओ महिला बाल विकास,अमित पुरी, हरीश अब्दुल्लाह,सुनील कुमार गुप्ता,अंजू गुलाम एक्का, चाइल्डलाइन,आर के गुप्ता,श्रम विभाग सुनील सिंह सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन पर कलेक्टर ने ली बैठक,जिला प्रशासन के पूरी टीम को दीं शुभकामनाएं।

--संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने आज साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं जिले कि पूरी टीम को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के जिले में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जिले के सभी हितग्राहीमूलक योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को देखते हुए सराहना की गई है, सभी अधिकार अपनी-अपनी जिम्मेदारी का इसी प्रकार निर्वहन करें। जिले में आयोजित 07 जनचौपाल में आए आवेदनों का सभी विभाग समय सीमा में निराकरण की कार्यवाही करे, आवेदन का पंजीयन शुरू कराएं कोई भी आवेदन न छूटे, सभी आवेदन संकलित कर प्रपत्र बनाकर अपडेट करें।

कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत 04 स्वामी आत्मानंन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की कार्ययोजना निर्मित करने कहा। उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने स्कूलों की प्रशंसा करते हुए अन्य शासकीय स्कूलों में पढ़ाई का स्तर आत्मानंन्द विद्यालय की तर्ज पर किए जाने के निर्देश दिए थे, निर्देश का पालन करते हुए बच्चों की पढाई, उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दें तथा भवन की आधारभूत संरचना को सुदृढ करें। इस दौरान उन्होने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कोविड वैक्सीनेशन एवं टेस्टिंग बढ़ाने तथा कोविड अनुरूप व्यवहार का पालन सुनिश्चित करने, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वॉल पेंटिंग किए जाने, एनीमिया मुक्त कोरिया अभियान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

बैठक में श्री शर्मा ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को जाति प्रमाणपत्र शिविर के आयोजन किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि कक्षा 6वीं से 12 वीं तक के बच्चों के प्राथमिकता के साथ जाति प्रमाणपत्र बनवाएं तथा राजस्व प्रकरणों से सम्बंधित सभी लंबित मामलों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग को कुपोषित बच्चों के घरों में 2 पपीते एवं 3 मुनगा का पौधा रोपित किए जाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप हर बच्चे को पूर्ण पोषण मिले। आश्रम, छात्रावास तथा विद्यालयों में सुपोषण वाटिका विकसित करने की योजना बनाएं।

अंगूठे का निशान लेकर 2 लाख 51 हजार रूपये की धोखाधड़ी करने वाला 1 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता-

सूरजपुर 05 जुलाई 2022(घटती-घटना)। ग्राम पेण्डारी निवासी नान्हू राम पोया ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके पिता शिवा राम की हाथी के हमले से मृत्यु हो जाने के कारण वन विभाग से मुआवजा का पैसा 575000 रूपये मॉ महती बाई के खाते में जमा हुआ था इसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा इसकी मॉ को हाथी के हमले से हुए मृत्यु पर और मुआवजा निकलना है कहकर आधार नंबर एवं अंगूठे का निशान धोखे से लेकर दिनांक 09.10.21 से 22.11.21 तक कुल 26 बार में 251000 रूपये का आहरण कर लिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 420 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू ने थाना-चौकी प्रभारियों को पुराने

लंबित मामले के आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। थाना प्रतापपुर की पुलिस ने बैंक से जानकारी लिया तो एसबीआई कुसमी शाखा का खाता नंबर में पैसा ट्रान्सफर होना पाया, कुसमी बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि अशोक तिर्की के द्वारा आधार केवाईसी के माध्यम से तथा थम्ब अंगूठा मशीन का उपयोग कर बार-बार पैसा निकालने की जानकारी प्राप्त हुआ। विवेचना के दौरान मुखबीर की सूचना पर आरोपी अशोक तिर्की पिता स्व. मोहन तिर्की उम्र 32 वर्ष निवासी कुसमी, जिला बलरामपुर को उसके गांव में घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी ने धोखाधड़ी करना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर नगदी 2000 रूपये, 1 मोटर सायकल, घटना में प्रयुक्त 1 थम्ब मशीन एवं 1 नग मोबाईल जप्त कर विधिवत् गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय श्रीमान् व्यवहार न्यायाधीश महोदय वर्ग-1अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

पी.नं.315/2022 व्यवहार वाद क्रमांक-15/2022

01. ग्लेडिस जेनिफा एक्का आ0 स्व0फ्रांसिस जेवियर एक्का आयु-28 वर्ष।
02. ग्लेन जोस एक्का आ0 स्व0 फ्रांसिस जेवियर एक्का आयु-16 वर्ष।

आवेदक क्रमांक-02 द्वारा नैसर्गिक वली बहन आवेदिका क्रमांक-01 दोनों निवासी ग्राम-रेलवे स्टेशन रोड अजिरमा-गांधीनगर तहसील-अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

आवेदकगण/वादीगण।

प्रति

01. शाखा प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा अम्बिकापुर पता-महामाया रोड अम्बिकापुर थाना-अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)।
02. शाखा प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया पता-मेन ब्रांच गुदरी गली अम्बिकापुर थाना-अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)।
03. शाखा पब्रंधक बजाज एलायंज लाईफ इन्श्यूरेंस कंपनी लिमिटेड पता-अम्बेडकर चौक के पास अम्बिकापुर थाना-गांधीनगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)।
04. आम जनता

अनावेदकगण।

आवेदन अन्तर्गत धारा-372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम।

सर्व साधारण आम जनता निवासी ग्राम-रेलवे स्टेशन रोड अजिरमा थाना-गांधीनगर तहसील-अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0) एवं हितबद्ध नागरिकों को सूचित किया जाता है कि आवेदिकागण द्वारा भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम की धारा-372 का वाद प्रस्तुत कर अपने पिता फ्रांसिस जेवियर एक्का की मृत्यु दिनांक 26/04/2021 को तथा माता जुलियाना एक्का की मृत्यु दिनांक 15/04/2021 को होना बताते हुए पिता फ्रांसिस जेवियर एक्का एवं माता जुलियाना एक्का के मृत्यु उपरांत विभिन्न विभागीय देयकों से प्राप्त होने वाली राशि को प्राप्त करने हेतु उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र की मांग की गई है।आम नागरिक को ईश्तहार के द्वारा सूचित किया जाता है कि सुनवाई तिथि दिनांक 06/08/2022 को नियत है।

अतः इस ईश्तहार के माध्यम से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण के पिता फ्रांसिस जेवियर एक्का की मृत्यु दिनांक 26/04/2021 को तथा माता जुलियाना एक्का की मृत्यु दिनांक 15/04/2021 के नाम पर मृत्यु उपरांत विभिन्न विभागीय देयकों से प्राप्त होने वाली राशि को प्राप्त किए जाने संबंधी उत्तराधिकार किसी व्यक्ति या नागरिक को हो तो वह पेशी तिथि 06/08/2022 तक अपने आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। पेशी दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अमान्य होगी और आवेदिकागण को उत्तरधिकार प्रमाण-पत्र प्रदान कर दिया जायेगा,यदि किसी कारण वश उस तिथि को सार्वजनिक अवकाश हो जाता है तो आगामी कार्यदिवस पर प्रकरण सुनवाई होगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर से आज दिनांक 01/07/2022 का जारी किया गया।

सील

(नरेन्द्र कुमार)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

CMYK

श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच घरेलू टीम पर कोरोना का कहर

मेलबोर्न ,05 जुलाई 2022। 8 जुलाई से गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट से पहले घरेलू टीम पर कोरोना का कहर बरपने लगा है, जिसमें बाएं हाथ के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा कोरोना संक्रमित होने के बाद मैच से बाहर हो गए हैं पांच दिनों के अंदर टीम में यह दूसरा कोरोना मामला है, जब सकारात्मक परीक्षण देने के बाद श्रृंखला के पहले मैच में एंजेलो मैथ्यूज की जगह किसी और खिलाड़ी को मौका देना पड़ा था। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने कहा, प्रवीन जयविक्रमा कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। खिलाड़ी को आज सुबह परीक्षण (रैपिड एंटीजन टेस्ट) के दौरान कोविड सकारात्मक पाया गया, जैसा कि उसने शिकायत की थी कि वह अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं।इसमें कहा गया है, जयविक्रमा को टीम के बाकी सदस्यों से तुरंत अलग कर दिया गया था और अब वह पांच दिनों के लिए क्वारंटीन में रहेंगे। जयविक्रमा की कोरोना पुष्टि होने पर टीम के बाकी सदस्यों का रैपिड एंटीजन टेस्ट किया गया। वे सभी नकारात्मक पाए गए।

इंग्लैंड के खिलाफ 5वां टेस्ट हारी टीम इंडिया

इंग्लैंड ने टीम इंडिया के खिलाफ पांचवा और आखिरी टेस्ट मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया है। इंग्लैंड को एजबेस्टन में मिली जीत के साथ ही सीरीज ड्रा हो गई। इस मुकाबले में जो रूट और जॉनी बैरस्टो ने सबसे ज्यादा भारतीय गेंदबाजों को छकाया।

बर्मिंघम,05 जुलाई 2022। इंग्लैंड ने टीम इंडिया के खिलाफ पांचवा और आखिरी टेस्ट मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया है। इंग्लैंड को एजबेस्टन में मिली जीत के साथ ही सीरीज ड्रा हो गई। इस मुकाबले में जो रूट और जॉनी बेयरस्टो ने सबसे ज्यादा भारतीय गेंदबाजों को छकाया। टीम इंडिया के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में जो रूट ने 173 गेंद में 82 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 142 रन बनाए। जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 145 गेंद में 78 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 114 रन की पारी खेली। इस दौरान दोनों के बीच 269 रनों की साझेदारी हुई।

पिछले साल भारतीय खेमे में कोरोना संक्रमण के मामले आने के बाद पांचवां मैच स्थगित कर दिया गया था। टीम इंडिया इस मैच से पहले 2-1 से आगे था। इंग्लैंड ने चौथी बार चौथी पारी में 250 रन से अधिक का लक्ष्य हासिल करके जीत दर्ज की है। इससे पहले तीन बार न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले महीने 3-0 से

जीती सीरीज में उसने 277, 299, 296 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

नहीं चला विराट का बल्ला

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट मुकाबले में पूर्व कप्तान और रन मशीन कहे जाने वाले विराट कोहली का बल्ला नहीं चला। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी पारी में 20 रन बनाए। टीम इंडिया को उनसे अच्छे रनों की दरकार थी लेकिन उनका बल्ला खामोश रहा। हालांकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने सभी को प्रभावित किया। दोनों ने पहली पारी में शतक जड़कर टीम इंडिया को मुश्किल दौर से उबारने का प्रयास किया लेकिन दूसरी पारी में टीम इंडिया की तरफ से महज चेतेश्वर पुजारा और ऋषभ पंत का ही बल्ला चला और वो भी दोनों खिलाड़ियों ने अर्धशतकीय पारी ही खेली थी। ऐसे में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने टीम इंडिया के खिलाफ आसान जीत दर्ज की।

भारत दौरे के लिए अभी से तैयारी कर रहा ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न ,05 जुलाई 2022। ऑस्ट्रेलिया की टीम भले ही श्रीलंका दौरे पर गई हो लेकिन उनका पूरा ध्यान अगले साल होने वाले भारत दौरे पर है। पहले टेस्ट में जीत के बाद अगले टेस्ट में ड्रॉ भी एशिया में उन्हें लगातार दूसरी सीरीज़ जिता सकता है। इससे पहले उन्होंने इसी साल पाकिस्तान को हराया था, जो कि ऑस्ट्रेलिया की एशिया में 11 साल बाद कोई पहली टेस्ट सीरीज़ जीत थी। 2004 के बाद से ऑस्ट्रेलिया भारत में कोई सीरीज़ नहीं जीत सका है।

जहां आशा के विपरीत पाकिस्तान ने तीनों टेस्ट मैच में बल्लेबाज़ों के अनुकूल पिच दी , जहां पर गेंद मुश्किल से टर्न कर रही थी। वहीं श्रीलंका ने गॉल में रैंक टर्नर पिच दी , जिसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों ने अब तक की सबसे मुश्किल पिच कहा। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने इसका पूरा फ़ायदा उठाते हुए मैच में कुल 18 विकेट झटके, जिसमें पार्ट टाइम स्पिनर भी शामिल थे।

अगले साल भारत में भी ऑस्ट्रेलिया कुछ ऐसी ही पिचों की उम्मीद कर रहा है। उनके असिस्टेंट कोच डैनियल वेटोरी ने कहा, अलग-अलग जगहों पर

परिस्थितियां अलग-अलग होंगी। अगर आप मोहाली में खेलते हैं तो विकेट पाकिस्तान जैसी फ़्लैट मिल सकती है, वहीं अगर आप वानखेड़े में खेलते हैं तो वह गॉल जैसा स्पिन करेगी। '

साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ अब स्वीप शॉट के द्वारा ज़्यादा रन बनाने का प्रयास कर रहे हैं।। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की लगभग 45.7 प्रतिशत बाउंड्री या तो स्वीप या रिवर्स-स्वीप के द्वारा आए थे। साल 2016 में श्रीलंका में उनकी 3-0 की हार में यह प्रतिशत 20.8 था।

वेटोरी ने कहा, कई मायनों में भारत में वह स्वीप करते हुए बाउंड्री बटोरने में इतना सफल नहीं होंगे। जो खिलाड़ी लोग बहुत अच्छी तरह से स्वीप करते हैं उन्होंने जितना संभव हो उतना जोर देने की कोशिश की और बाउंड्री बटोरने का प्रयास किया। ऐलेक्स कैरी ने शायद सबसे स्वीप करने का प्रयास किया था। उन्होंने कुल 12 ऐसे स्वीप शॉट मारे थे जिसमें उन्हें रन मिला था।

महिला खिलाड़ियों को मिलेगा पुरुष क्रिकेटरों के बराबर पैसा

नई दिल्ली ,05 जुलाई 2022। न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटरों को भी अब इंटरनेशनल और शीर्ष स्तर के घरेलू मैचों के लिए पुरुष क्रिकेटरों के बराबर पैसा मिलेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने ऐलान किया है कि प्रोफेशनल वुमेंस और मेंस क्रिकेटरों को एक ही खेल के लिए समान वेतन मिलेगा। इसके लिए पांच साल की डील हुई है, जिसमें व्हाइट फर्न्स और घरेलू महिला खिलाड़ियों को एकदिवसीय, टी20आई, फोर्ड ट्रॉफी और सुपर स्मैश स्तर सहित सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में पुरुषों के समान मैच फीस मिलेगी।

यह एग्रीमेंट न्यूजीलैंड में महिला क्रिकेटरों को दिए जाने वाले अनुबंधों की संख्या को भी बढ़ाता है और उभरते खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध प्रतिस्पर्धी मैचों की संख्या को बढ़ाता है।

व्हाइट फर्न्स की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि यह एग्रीमेंट महिला क्रिकेट के लिए एक गेम-चेंजर होगा। डिवाइन ने कहा, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू महिला खिलाड़ियों के लिए पुरुषों के साथ एक ही एग्रीमेंट में मान्यता प्राप्त होना बहुत अच्छा है।

अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों को ये मैच फीस मिलेगी

टेस्ट मैच के लिए 10,250 डॉलर (करीब 8 लाख रुपए)

ओडीआई मैच के लिए 4,000 डॉलर (करीब 3 लाख 15 हजार रुपये)

टी20आई मैच के लिए 2,500 डॉलर (करीब 2 लाख रुपये)

प्लंकेट शील्ड के लिए 1,750 डॉलर

फॉर्ड ट्रॉफी/हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के मैच के लिए 800 डॉलर

सुपर स्मैश मैच के लिए 575 डॉलर

गोल्डन स्टेट वॉरियर्स का नहीं है कोई सानी, 8 सालों में चौथी बार बनी थी चैंपियन

मेलबोर्न ,05 जुलाई 2022। नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन का पहला सीज़न साल 1949 में खेला गया था। लेकिन भारत के साथ इसका जुड़ाव साल 2019 में हुआ। भारत में सबसे ज्यादा क्रिकेटप्रेमियों की भरमार है लेकिन समय के साथ-साथ दूसरे खेलों के प्रति भी प्रशंसकों की रूचि पनपने लगी है। ऐसे में खिलाड़ियों को भी अथाह समर्थन मिल रहा है। एनबीए उत्तरी अमेरिकी की पेशेवर बास्केटबॉल लीग है और इसमें भारत ने भी अपनी पकड़ बनाना शुरू कर दिया है। लेकिन आज हम बात भारत की नहीं बल्कि एनबीए लीग 2021-22 के फाइनल की करने वाले हैं। जिससे जुड़ी हुई तमाम रोचक जानकारियां और तथ्य हम आपके समक्ष पेश करेंगे।

एनबीए 2021-22 विजेता

एनबीए 2021-22 का खिताब गोल्डन स्टेट वॉरियर्स ने अपने नाम किया। पिछले दो सीज़न में प्लेऑफ़ में जगह बनाने में नाकाम रहने के बाद गोल्डन स्टेट वॉरियर्स ने फ़ाइनल में बोस्टन सेल्टिक्स को 4-2 से हराया। यह पिछले 8 सालों में गोल्डन स्टेट वॉरियर्स की चौथी चैंपियनशिप थी और अगर ओवरऑल देखा जाए तो टीम की सातवीं चैंपियनशिप थी। इस सीजन में निकोला योकिच को मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर चुना गया।

गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के चैंपियनशिप जीतने के बाद उसकी जमकर प्रशंसा हुई। कई विश्लेषकों ने तो गोल्डन स्टेट वॉरियर्स को

एनबीए इतिहास की सबसे बेहतरीन टीमों में से एक होने का दावा किया।

गोल्डन स्टेट वॉरियर्स की स्थापना साल 1946 में हुई थी। साल 1947 में गोल्डन स्टेट वॉरियर्स ने बास्केटबॉल एसोसिएशन ऑफ अमेरिका (बीएए) का खिताब अपने नाम किया। इसके बाद अगले साल के फाइनल में टीम को हार का सामना करना पड़ा और फिर गोल्डन स्टेट वॉरियर्स 1949 में टीम एनबीए का हिस्सा बन गई। इतना ही नहीं बीएए का एनबीए में विलय भी हो गया।

मुंबई में हुआ था एनबीए का मुकाबला

भारत-अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने के लिए एनबीए का पहला मुकाबला भारत में साल 2019 में आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया था। मुंबई में पहली बार इंडियाना पेसर्स और सैक्रामेंटो किंग्स ने एसवीपी स्टेडियम में अपना जलवा बिखेरा। यूं तो बास्केटबॉल का भारत के साथ रिश्ता काफी पुराना है। ओलंपिक खेलों में भारत ने साल 1980 में बास्केटबॉल में हिस्सा लिया था और तो और साल 2000 में भारत में बास्केटबॉल का प्रसारण भी शुरू हो गया था। इसके बाद एबीए ने भारत में अपनी अकादमी की भी स्थापना की, जहां पर खिलाड़ियों को तैयार किया जा रहा है।

सतनाम सिंह पहले ऐसे भारतीय हैं, जिन्होंने एबीए का सफर तय किया। उन्होंने पंजाब की गलियों से निकलकर भारतीय तिरंगे को गौरवान्वित किया।

धनुष के लुक को देख फैंस को आई केजीएफ 2 के रॉकी भाई की याद

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर फिर से बॉलीवुड का राज हो गया है। कार्तिक आर्यन और वरुण धवन की फिल्में फैंस को खूब पसंद आई हैं। लेकिन ये फिल्में साउथ की मूवीज का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाई हैं। केजीएफ 2 और आरआरआर ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ ऐसे रिकॉर्ड बना दिए है, जिसे तोड़ पाना किसी सपने के पूरा होने जैसा है। इन दो फिल्मों के बाद अब साउथ के सुपरस्टार और अपनी एक्टिंग से सबको दीवाना बनाने वाले धनुष अपनी नई फिल्म के साथ जल्द आने वाले है। इस से जुड़ा एक वीडियो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इस वीडियो के आने के बाद ट्विटर पर फैंस खूब रिएक्शन दे रहे है। धनुष के नए अवतार को देखने के बाद फैंस तारीफ किए बिना रह नहीं पा रहे है।

धनुष ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म कैप्टन मिलर का एक टीजर वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो ओल्ड बाइकर के लुक में नजर आ रहे है। इस वीडियो के सामने आनै के बाद फैंस की बेहद खुश है। फैंस धनुष को बड़े पर्दे पर देखने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। इस टीजर वीडियो के आने के बाद फैंस ने ट्विटर जमकर तारीफ कर रहे है। एक यूजर ने ट्विट करते हुए लिखा हमको इसका लंबे समय से इंतजार था। कई यूजर्स धनुष की दमदार एक्टिंग को याद कर रहे है, तो कई इस टीजर के आने के बाद मीम्स बनाते हुए नजर आ रहे है।

वरिना हुसैन ने अपनी प्यारी और हॉट अदाओ से किया लोगो के दिलो को मदहोश

वरीना ने सोशल मीडिया पर रेड ऑउटफिट पहने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो हॉटनेस और बोल्डनेस का प्रतीक हैं। वरीना ने एक छोटी, लाल रंग की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी, जिसमें एक प्यारी सी नेकलाइन और एक गोल्डन चेन स्ट्रैप था।

बॉलीवुड अभिनेत्रियों पर जिम्मेदारी का बोझ भारी होता है। हम केवल उनके द्वारा चुने गए पात्रों की बात नहीं कर रहे हैं; हम यह भी संकेत दे रहे हैं कि वे कितनी बार हमारे लिए फैशन आइकन भी बन जाते है। बी-टाउन की सुंदरियों को बड़ी संख्याओं मे प्रशंसक पसंद करते है, और उनके द्वारा अपनाए जाने वाले हर नए स्टाइल को उनके प्रशंशक तुरंत अपना लेते हैं। हाल ही मे हमने एक नया ट्रेंड है जहा सारी अभिनेत्रियां लाल रंग की पोशाख कैरी करते नजर आई. वरीना हुसैन, जो टिनसेल टाउन की एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, उन्होंने अपनी इन शानदार तस्वीरों से शहर को लाल रंग में रंगीन कर दिया हैं।

वरीना ने सोशल मीडिया पर रेड ऑउटफिट पहने अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जो हॉटनेस और बोल्डनेस का प्रतीक हैं। वरीना ने एक छोटी, लाल रंग की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी थी, जिसमें एक प्यारी सी नेकलाइन और एक गोल्डन चेन स्ट्रैप था। हालांकि ऑउटफिट काफी सिंपल सा था,पर जिस तरह से इसने वरीना के टोंड फिगर को दर्शाया,उसने प्रशंसकों के दिलों में धमाकेदार सुंदरता

की छाप छोड़ी है। मेकअप की बात करे तोह, वरीना ने सिंपल सटल मेकअप लुक किया था, जहा अभिनेत्री ने ग्लैम आने थोड़ा ब्लश और लाइट पिंक कलर की लिपस्टिक लगाई थी, और उन लम्बे लैशेस को मस्कारा लगया जोह उन प्यारी आंखों में ग्लैमर दरशाता है।अभिनेत्री ने अपने लम्बे घने बालों को खुला छोड़ा था। उसने ड्रेस को उन ट्रांसलूसेंट सॉलिड ट्रफल स्ट्रिप्ड रेड हील्स के साथ पेयर किया। वरीना ने अपने पहनावे को कुछ साधारण अंगूठियों और उन पेस्टल रंग के लंबे नाखूनों के साथ पूरा किया जिसने अभिनेत्री के ऑउटफिट को और चमक आई.

उसकी तस्वीर निश्चित रूप से हमारे दिलो पर राज कर रही है क्योंकि उसके अपने अनोखे अंदाज मे पोज़ और प्यारी मुस्कान से पूरी तरह से हमारा दिल जीता है.

प्रशंसक कमेंट सेक्शन में गए और आग (????) और दिल (??) के इमोटिकॉन्स के साथ अपना प्यार बया कर रहे है, जिस पर कुछ लोगो ने लिखा, अक्ख लड़ जावे और दुसरो ने लिखा यू अरे द गॉडेस ब्यूटी काम के मोर्चे पर, वरीना हुसैन के पास कई रोमांचक पहल हैं जो विकसित हो रही हैं, जिसमें वेब सीरीज और फिल्में शामिल हैं। परन्तु, अभी तक उनके टीम की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वरूण धवन को लेकर फिल्म बनायेंगे अनीस बज्मी

बॉलीवुड निर्देशक अनीस बज्मी अभिनेता वरूण धवन को लेकर फिल्म बना सकते हैं। अनीस बज्मी ने कार्तिक आर्यन को लेकर भूल भुलैया 2 बनायी है।फिल्म भूल भुलैया 2 बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुयी है। अनीस बज्मी एक कॉमेडी फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। वह अपनी इस फिल्म के लिए वरुण धवन से बात कर रहे हैं। वरुण धवन और अनीस बज्मी पिछले कुछ वर्षो से एक साथ आने के बारे में सोच रहे हैं। दोनों हाल ही में मिले और कॉमेडी फिल्म बनाने पर चर्चा की। वरुण धवन और अनीस बज्मी अपने वर्तमान के प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद फिल्म करेंगे। अनीस बज्मी ने वरुण धवन के पिता डेविड धवन के लिए 15 से ज्यादा फिल्में लिखी हैं। अनीस बज्मी अब वरुण धवन के साथ फिल्म बनाने के लिए उत्साहित हैं। अनीस बज्मी अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म नो एंट्री के सीक्वल नो एंट्री 2 पर भी काम कर रहे हैं।

मेरी पत्नी का रीमेक में अर्जुन कपूर के साथ दिखेंगी रकुल प्रीत और भूमि पेडनेकर

अर्जुन कपूर फिल्ममेकर मुदस्सर अजीज की एक फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्देशन मुदस्सर करेंगे, जबकि वाशु भगनानी और जैकी भगनानी फिल्म का निर्माण करने वाले हैं। फिलहाल फिल्म का नाम मेरी पत्नी का रीमेक रखा गया है। फिल्म में फीमेल लीड निभाने के लिए कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही थी। अब सुनने में आ रहा है कि फिल्म में अर्जुन के साथ रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर नजर आएंगी।

रिपोर्ट के अनुसार, मेरी पत्नी का रीमेक के लिए अर्जुन, रकुल प्रीत और भूमि पेडनेकर ने हाथ मिलाया है। पहली बार किसी फिल्म के लिए तीनों कलाकार एक साथ आ रहे हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें दर्शकों को मनोरंजन का भरपूर तड़का देखने को मिलेगा। खबरों की मानें तो सितंबर में इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। फिल्म की कहानी से संबंधित कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट में बताया गया था कि मुदस्सर की यह फिल्म 90 के दशक की गोविंदा की कॉमेडी की फिल्मों की याद दिलाएगी। शीर्षक को लेकर सूत्र ने कहा था, कई विकल्पों पर विचार करने के बाद मुदस्सर को एक ऐसा शीर्षक मिला है, जो उनकी फिल्म को बाकियों से अलग बनाता है। उन्होंने अपनी फिल्म को मेरी पत्नी का रीमेक संबोधित करने का निर्णय लिया है। यह सुनिश्चित है कि यह शीर्षक दर्शकों का उत्साह बढ़ा देगा।

अर्जुन और भूमि फिल्म द लेडी किलर में नजर आने वाले हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसे अजय बहल निर्देशित करने वाले हैं। फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और शैलेष आर सिंह मिलकर बना रहे हैं। रकुल प्रीत ने अर्जुन के साथ फिल्म सरदार का ग्रैंडसन में काम किया है। इस फिल्म में दोनों की जोड़ी को फैंस ने पसंद किया था। फिल्म पिछले साल दर्शकों के बीच आई थी।

अर्जुन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में नजर आएंगे। जॉन अब्राहम, दिशा पाटनी और तारा सुतारिया भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। भूमि अभिनेता अक्षय कुमार के साथ आनंद एल राय की फिल्म रक्षाबंधन में नजर आएंगी। यह फिल्म भाई-बहन के रिश्तों पर आधारित है। रकुल प्रीत थैंक गॉड में अजय देवगन के साथ दिखेंगी। उनकी फिल्म मिशन सिंड्रेला भी दस्तक देने वाली है।

मुदस्सर फिल्म दूल्हा मिल गया के स्क्रीनप्ले और डायलॉग राइटर रहे हैं। हैप्पी भाग जाएगी, हैप्पी फिर भाग जाएगी और पति पत्नी और वो जैसी फिल्में उन्होंने ही निर्देशित की हैं। जल्द ही वह फिल्म डबल एक्सएल लेकर आने वाले हैं।